भीम प्रज्ञा अलर्ट

जीवन की सच्ची ऊंचाई पद, धन या अहंकार से नहीं, बल्कि विनम्रता, करुणा और मानवता से मापी जाती है।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-57 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 16 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

जीवन की ओस और अहंकार का बोझ

संतों, महापुरुषों और दार्शनिकों ने मानव जीवन की तुलना अक्सर ओस की बूंद, पानी के बुलबुले या क्षणिक परछाईं से की है। यह तुलना केवल काव्यात्मक नहीं, बल्कि जीवन का गहरा सत्य उजागर करती है। ओस की एक बूंद सुबह की पहली किरण के साथ ही मिट जाती है, पानी का बुलबुला पल भर में फूट जाता है। ठीक वैसे ही मनुष्य का जीवन भी अनिश्चित, क्षणभंगुर और अस्थायी है। हम नहीं जानते कि अगला क्षण हमारे लिए क्या लेकर आएगा। जन्म और मृत्यु के बीच का यह सफर इतना छोटा है कि अक्सर हम इसे समझने से पहले ही समय हमारे हाथों से फिसल जाता है। मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

इस विराट ब्रह्मांड और प्रकृति के अनंत विस्तार में मनुष्य का अस्तित्व वास्तव में एक छोटे से कण के समान है। पृथ्वी, आकाश, सूर्य, चंद्रमा और आकाशगंगाओं के बीच हमारा जीवन एक क्षणिक उपस्थिति मात्र है। फिर भी मनुष्य स्वयं को केंद्र में रखकर सोचता है, जैसे सब कुछ उसी के लिए बना हो। यही सोच धीरे-धीरे अहंकार का रूप ले लेती है। पद, प्रतिष्ठा, धन, ज्ञान और शक्ति मनुष्य को यह भ्रम दे देते हैं कि वह स्थायी है, अजेय है और सबसे श्रेष्ठ है। विडंबना यह है कि यह अहंकार उसी नश्वर शरीर में पलता है, जो किसी भी क्षण मिट्टी में मिल सकता है। जिस देह पर मनुष्य को इतना गर्व होता है, वही देह समय के साथ जर्जर होती है, बीमार पड़ती है और अंततः समाप्त हो जाती है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि कितने ही शक्तिशाली राजा, साम्राज्य और धनवान लोग आए और चले गए। उनके महलों के खंडहर आज भी यह प्रश्न करते हैं कि आखिर अहंकार किस काम आया?

जीवन की सार्थकता इस बात में नहीं है कि हमने कितना संग्रह किया, कितनी शक्ति अर्जित की या कितने लोगों पर शासन किया। जीवन का वास्तविक मूल्य इस बात में है कि हमने कितनी विनम्रता से, कितने प्रेम और करुणा के साथ जीवन जिया। जब मनुष्य अपनी नश्वरता को स्वीकार करता है, तभी उसके भीतर सच्ची मानवता का जन्म होता है। जो व्यक्ति यह समझ लेता है कि वह केवल पानी की एक बूंद है, वही सागर से लड़ने की व्यर्थ होड़ छोड़ देता है। आज के समय में अहंकार केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक और सामूहिक रूप भी ले चुका है। व्यक्ति अपने पद का अहंकार करता है, समाज अपनी श्रेष्ठता का, जाति अपनी ऊँचाई का और राष्ट्र अपनी ताकत का। यही अहंकार टकराव, हिंसा और विभाजन को जन्म देता है। यदि हम अपनी अस्थिरता और क्षणभंगुरता को याद रखें, तो शायद हम दूसरों को नीचा दिखाने या उनसे आगे निकलने की अंधी दौड़ में शामिल न हों।

संतों ने बार-बार यही संदेश दिया है कि अहंकार त्याग ही आत्मिक शांति का मार्ग है। कबीर ने कहा– 'जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहिं।' इस पंक्ति में जीवन का सार छिपा है। जब तक 'मैं' का भाव रहता है, तब तक शांति नहीं मिलती। जैसे ही अहंकार का विसर्जन होता है, जीवन सरल, सहज और आनंदमय हो जाता है।

यदि हम यह स्वीकार कर लें कि हमारा जीवन एक उधार की सांस है, तो हमारे व्यवहार में अपने आप बदलाव आ जाएगा। हम अधिक धैर्यवान, अधिक संवेदनशील और अधिक सहिष्णु हो जाएंगे। दूसरों की पीड़ा हमें अपनी लगेगी और दूसरों की खुशी में हम सच्चा आनंद महसूस करेंगे। यही मानवता का आधार है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने बच्चों, समाज और स्वयं को यह सिखाएं कि सफलता का अर्थ अहंकार नहीं, बल्कि विनम्रता है। शक्ति का अर्थ दूसरों को दबाना नहीं, बल्कि कमजोर का सहारा बनना है। ज्ञान का उद्देश्य दूसरों को छोटा साबित करना नहीं, बल्कि अज्ञान के अंधकार को दूर करना है। यदि मनुष्य यह समझ ले कि वह सागर नहीं, बल्कि सागर में मिलने वाली एक बूंद है, तो उसका जीवन संघर्ष से अधिक समर्पण से भरा होगा। वह प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में विश्वास करेगा। अहंकार को त्याग कर ही वह उस आंतरिक शांति को प्राप्त कर सकता है, जो किसी भी सांसारिक उपलब्धि, पद या संपत्ति से कहीं अधिक मूल्यवान है। अंततः यही कहा जा सकता है कि जीवन की ओस को अहंकार की धूप में सुखाने से अच्छा है, उसे मानवता के सागर में घुलने दिया जाए। यही जीवन की सच्ची उपलब्धि है और यही संपादकीय चिंतन का मूल संदेश भी।

आर्मी-डे पर पहली बार जयपुर में सेना ने दिखाया शौर्य

राजनाथ सिंह बोले-ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ

शहीद जवान की मां मेडल लेते बेहोश हुईं,

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। जयपुर के स्वर्ण स्टेडियम में आर्मी-डे पर गुरुवार शाम शौर्य संध्या कार्यक्रम में सेना के पैराट्रूपर्स उतरे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में पूरा स्टेडियम जय हो के नारे से गूंज उठा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया- ऑपरेशन सिंदूर अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है, क्योंकि जब तक आतंक की सोच खत्म नहीं होती है, तब तक शांति के लिए हमारा यह प्रयास लगातार चलता रहेगा। मैं राजस्थान की वीर धरती से यह घोषणा कर रहा हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने सिर्फ अपनी सैन्य ताकत ही नहीं दिखाई, बल्कि अपने राष्ट्रीय स्वभाव का भी परिचय दिया है।

आतंकियों के खिलाफ की गई कार्रवाई पूरी तरह से सोच-समझ कर और मानवीय मूल्यों को ध्यान में रखकर की गई। इसी कारण से ऑपरेशन सिंदूर भारत के इतिहास में सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई के रूप में नहीं, बल्कि साहस और संतुलन के रूप में याद रखा जाएगा। इससे पहले सुबह जयपुर की सड़कों पर ब्रह्मोस मिसाइल, भीष्म, अर्जुन टैंक, पिनाका लॉन्चर, रोबोटिक डॉग्स का प्रदर्शन किया गया। आसमान में अटैक हेलिकॉप्टर अपाचे ने दुश्मनों के होश उड़ाने वाले करतब दिखाए। नाल (बीकानेर) एयरबेस से उड़ान भरकर आए जगुआर फाइटर जेट की खूबियों से भी आमलोग रू-ब-रू हुए। आर्मी एरिया से बाहर पहली बार आर्मी-डे परेड गुरुवार को जयपुर में हुई। जगतपुरा के महल रोड पर हजारों लोग इस कार्यक्रम के साक्षी बने। उधर, ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए 1 पैरा स्पेशल फोर्स के जवान लान्स नायक प्रदीप कुमार की मां सेना मेडल लेते हुए मंच पर बेहोश हो गईं। इन्हें सैन्य अधिकारियों ने संभाला। उन्हें तुरंत मंच से उतारकर एम्बुलेंस से हॉस्पिटल ले जाया गया।

परेड को आर्मी ऑफिसर्स लीड कर रहे थे

परेड की शुरुआत ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए जवानों को सेना मेडल (वीरता) से सम्मानित करने के साथ हुई थी। इसके बाद गैलेंट्री अवॉर्ड से सम्मानित आर्मी ऑफिसर्स ने परेड कमांडर को सलामी दी। अशोक चक्र, परमवीर चक्र और महावीर चक्र से सम्मानित आर्मी ऑफिसर्स परेड को लीड कर रहे थे।

तीन दिवसीय विवेक चिंतन उत्सव का शुभारंभ, 17 स्कूलों के 82 विद्यार्थियों ने लिया भाग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

रामकृष्ण मिशन विवेकानंद स्मृति मंदिर, खेतड़ी में तीन दिवसीय विवेक चिंतन उत्सव का समारोहपूर्वक उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में खंड मुख्य शिक्षा अधिकारी अनुकम्पा अरडावतिया एवं खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरीश यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता स्वामी आत्मनिष्ठानंद महाराज ने की। उत्सव के प्रथम दिन भाषण एवं कविता पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें जिले के 17 विद्यालयों से आए 82 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिताओं में निर्भयराम शास्त्री, डॉ. नीरू सैनी एवं वंदना चाक ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में स्वामी योगयुक्तानंद, स्वामी सुभगानंद, स्वामी प्रशांतानंद, स्वामी हरिहरानंद, स्वामी सुधानंद एवं स्वामी तारकानंद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच संचालन राजेंद्र यादव ने किया। इस अवसर पर ब्रह्मचारी ब्रह्मचैतन्य, कृष्ण कुमार, राहुल शर्मा, उमेश कुमावत, विक्की कुमावत, गोपी राम, शिवराम सैनी, महेश कुमावत सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। उत्सव के आगामी दिनों में अन्य शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

शहीद अनिल कुमार की चतुर्थ पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

ग्राम पंचायत नौरंगपुरा, तहसील खेतड़ी में गुरुवार को शहीद अनिल कुमार की शहीद स्मारक पर चतुर्थ पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन शहीद की माता मूली देवी की अध्यक्षता में किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ताराचंद बावरिया सरपंच रहे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. बी. वर्मा प्राचार्य, डॉ. दिनेश चौथा राम, उपसरपंच कैप्टन महेश बिजानिया, सूबेदार सरदार सिंह, कैप्टन रणवीर सिंह, सूबेदार उमेद सिंह तथा हवलदार बनवारी लाल मंचासीन रहें।अतिथियों ने शहीद अनिल कुमार के बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और साहस का प्रेरणास्रोत है। बताया गया कि शहीद अनिल कुमार (नायक रैंक) भारतीय नौसेना में लीडिंग मैकेनिक पावर के पद पर कार्यरत थे। 1 जनवरी 2022 को चेन्नई में ड्यूटी के दौरान जहाज पर करंट लगने से वे वीरगति को प्राप्त हुए थे। उनके सम्मान में गांव नौरंगपुरा में उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर प्रतिमा स्थापित की गई है शहीद अनिल कुमार को झुंझुनू जिले के अमर शहीदों में गिना जाता है। इस अवसर पर वेदप्रकाश, शायर सिंह मीणा, ताराचंद, मोहनलाल, रामस्वरूप, महेंद्र, राजेश, हरफूल, ग्यारसीलाल, मातादीन, कुलधाराम, सांवरमल, रामनिवास, ईश्वरलाल, अशोक, मुकेश, विनोद, रामनरेश, पंकज, अजय के.डी. पहलवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में शहीद को पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

भारत मुक्ति मोर्चा के बैनर तले झुंझुनूं कलक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

उड़ीसा कटक में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन को आरएसएस बीजेपी के दबाव में वहां के शासन प्रशासन ने स्वीकृति प्राप्ति के बाद भी रद्द करने के खिलाफ वामन मेश्राम राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत मुक्ति मोर्चा नई दिल्ली के द्वारा घोषित चार चरणबद्ध आंदोलन के तहत भारत मुक्ति मोर्चा, बहुजन क्रांति मोर्चा, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, क्षत्रीय मूलनिवासी महासंघ एवं राष्ट्रीय परिवर्तन मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में ओमप्रकाश सेवदा जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश महासचिव बीएमएम के नेतृत्व में झुंझुनू जिला कलक्ट्रेट पर एक दिवसीय शांतिपूर्वक सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम जिला कलक्टर अरुण गर्ग को ज्ञापन सौंपा गया। सेवदा ने बताया कि उड़ीसा कटक में वहां की सरकार ने बामसेफ एवं भारत मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अधिवेशन की परमिशन को निरस्त किए जाने एवं ओबीसी की जाति आधारित जनगणना करने तथा भारत में ईवीएम को अविलंब बंद किए जाने सहित भारत की एक सो चालीस करोड़ जनता के मौलिक अधिकारों के विरुद्ध जाने का दुस्साहस किया है जिसके विरोध में भारत के सभी सात सो पच्चीस जिलों में एक साथ जिला मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया गया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध आंदोलन के मुख्य मुद्दे जिसमें उड़ीसा सरकार ने बामसेफ एवं भारत मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अधिवेशन की परमिशन को तत्काल प्रभाव से पुनर्बहाल किया जाए। इस अधिवेशन में सहभागी होने वाले डेलिगेट्स एवं संगठन का हुआ खर्च तथा नुकसान का पूरा मुआवजा दिया जाए। भविष्य में किसी भी संगठन के संवैधानिक सामाजिक और वैचारिक कार्यक्रमों को राजनीतिक दबाव में रोकने की परंपरा को बंद किया जाए और संविधान में प्रदत्त लोकतांत्रिक अधिकारों की संपूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, इसके लिए स्वतंत्र रूप से कानून बनाया जाए। ओबीसी की जाति आधारित जनगणना के मुद्दे को दबाने की साजिश के अंतर्गत न्यायाधीश की स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से जांच कराई जाए तथा उड़ीसा की राज्य सरकार संविधान की शपथ लेकर बनी हुई सरकार है इसके बावजूद भी संविधान का उल्लंघन कर रही है। संविधान के संरक्षण के संरक्षक के रूप में अनुच्छेद तीनसोछप्पन के तहत संवैधानिक तंत्र की रक्षा हेतु तुरंत प्रभाव से उड़ीसा की राज्य एवं केंद्र सरकार को बर्खास्त किया जाए ताकि देश में गूंगी बहरी सरकार को भारतीय संविधान के तहत कार्य नहीं करने और लोकतंत्र को कमजोर करने वाली सरकार को सबक सिखाया जा सके। चौथमल सोकरिया, रामसिंह जोधा,एडवोकेट धर्मपाल बंसीवाल,रतन लाल तंवर, कैप्टन सोहनलाल आरक्षण अधिकार मंच, आयुष्मति किरण ने भी धरने को संबोधित किया और आरएसएस, बीजेपी होश में आए और संविधान की पालना करे ताकि देश में अमन शांति बनी रहे। राधेश्याम चिरानिया, शेर सिंह महरमपुर, प्रभुदयाल जागृत, प्रेमलता, सुरेश,बबीता,सुभाष चंद्र,गोकुल चंद्र, ओमप्रकाश, संजू, बनारसी देवी,सरिता, ममता सिंह,रेहान मूलनिवासी, अंजू, मंजू ,गोकुल, सुभाष चंद्र, दिलीप सिंह, हरलाल सिंह बड़वासी, गोविंद राम कल्याण, बीरबल सिंह, ममता गर्वा धरने में शामिल रहीं।

पांव के छाले भी नहीं रोक पाए जनसेवा का रास्ता: वसुंधरा राजे ने उन्हेल से दुष्यंत सिंह की आशीर्वाद यात्रा को किया रवाना

खेतों की मिट्टी और जनता की तकलीफ को अपनाने निकले सांसद– वसुंधरा राजे

झालावाड़ के उन्हेल से शुरू हुई सांसद दुष्यंत सिंह की तीन दिवसीय आशीर्वाद यात्रा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झालावाड़।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने गुरुवार को झालावाड़ जिले के उन्हेल में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं चलती रही उम्रभर दुआओं के साथ, पांव के छाले कभी मेरी राहें नहीं रोक पाए। उन्होंने अपने संघर्षों को याद करते हुए कहा कि जब वे सांसद थीं, तब भी लगातार पदयात्राएं करती थीं। कई बार पैरों में छाले पड़ जाते थे, लेकिन उन्हें पिन से फोड़कर फिर से जनता के बीच निकल पड़ती थीं, क्योंकि जनसेवा उनके लिए कभी बोझ नहीं रही, बल्कि कर्तव्य रही है। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री ने सांसद दुष्यंत सिंह की आशीर्वाद यात्रा को विधिवत रवाना किया। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि क्षेत्र की उन्नति, विकास और जनता के विश्वास को मजबूत करने की यात्रा है। राजे ने कहा कि अधिकांश नेता केवल चुनाव के समय जनता के बीच आते हैं और जीतने के बाद पांच साल तक एसी कमरों में बैठे रहते हैं, लेकिन हमारा ऐसा स्वभाव नहीं है। हम अपने क्षेत्र को परिवार मानते हैं और यहां के लोगों को सिर्फ मतदाता नहीं, बल्कि अपने भाग्य निर्माता समझते हैं।

राजे ने कहा कि सांसद दुष्यंत सिंह हमेशा जनता के बीच रहने वाले जनप्रतिनिधि हैं और हर गांव, हर ढाणी तक पहुंचने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि यह यात्रा कोई राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि अपनों की, अपनों के लिए और अपनों की ओर से निकाली गई यात्रा है। इसका उद्देश्य लोगों से सीधे जुड़ना, उनकी समस्याएं सुनना और उनके सपनों को पूरा करने के लिए प्रयास करना है। उन्होंने आगे कहा कि इस यात्रा का लक्ष्य है कि हर नागरिक का सम्मान हो, हर व्यक्ति का उत्थान हो और हर वाजिब समस्या का समाधान हो। यह ऐसी यात्रा है, जिसमें सांसद खेतों की मिट्टी, बच्चों की मुस्कान और किसानों की मेहनत को अपनाने आए हैं। यह यात्रा जनता की तकलीफ को गले लगाने और उनके साथ खड़े रहने की भावना का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध धार्मिक स्थल उन्हेल नागेश्वर से सांसद दुष्यंत सिंह ने तीन दिवसीय आशीर्वाद यात्रा की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास और जनहित उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सांसद ने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से इनका अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। सांसद दुष्यंत सिंह ने भरोसा दिलाया कि जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा और विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि वे हमेशा जनता के बीच रहकर उनकी आवाज को सरकार तक पहुंचाने का कार्य करते रहेंगे। जनसभा में बड़ी संख्या में ग्रामीण, भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला और आशीर्वाद यात्रा को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

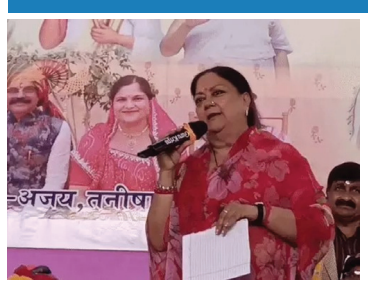

ध्यान की अवस्था में शक्ति हम से बात कर सकती है और हम उसे सुन सकते हैं। यदि हम उसके निर्देशों का अनुसरण करें, तो यह और भी स्पष्ट रूप से बात करेगी। ध्यान के बाद आंतरिक शक्ति और जीवन के रूपांतरण में विश्वास ही वह तार जो हमें उससे जोड़ता है। जब हम अपने चेतन मन और उस शक्ति के साथ स्पष्ट संपर्क बना लेते हैं, तो परिणाम और भी अच्छे होते हैं, क्योंकि तब हमारी आत्मा हमें ये संदेश अधिक स्पष्ट व प्रभावी तरीके से भेज सकता है।

प्रार्थना

जो हमें हमारे पिछले जन्मों के ऋण से उबार सके

आंतरिक शक्ति ही वह आधार है, जो मनुष्य से उसके अपने संबंधों को परिभाषित करती है। यह मानव जीवन का एक विस्मयकारी घटक है, जिस पर हमारी सामान्य सफलता सर्वाधिक निर्भर करती है। यह शक्ति हमारे व्यक्तित्व और दैनिक जीवन के लिए निरंतर संदेश भेज कर प्रभावित करती रहती है। ये संदेश हमें अंतर्ज्ञान, प्रेरणा और मौलिक विचारों के रूप में मिलते हैं।

ये बताते हैं कि अपने विवेक में उदात्त-आत्मा हमसे क्या करना चाहती है। यदि हम इन संकेतों को समझें और उनके अनुसार काम करें, तो हमारा जीवन रचनात्मक हो जाएगा। हम देखेंगे कि जीवन की हर दिशा में सब कुछ अच्छा व सफलतादायक हो रहा है। हम अपने मन को शांत और स्थिर करके इन संदेशों को प्रभावी तरीके से ग्रहण कर सकते हैं। नियमित ध्यान इसका एक अच्छा उपाय है। ध्यान की अवस्था में शक्ति हम से बात कर सकती है और हम उसे सुन सकते हैं। यदि हम उसके निर्देशों का अनुसरण करें, तो यह और भी स्पष्ट रूप से बात करेगी। ध्यान के बाद आंतरिक शक्ति और जीवन के रूपांतरण में विश्वास ही वह तार जो हमें उससे जोड़ता है। जब हम अपने चेतन मन और उस शक्ति के साथ स्पष्ट संपर्क बना लेते हैं, तो परिणाम और भी अच्छे होते हैं, क्योंकि तब हमारी आत्मा हमें ये संदेश अधिक स्पष्ट व प्रभावी तरीके से भेज सकता है। इसके प्रति अविश्वास संपर्क को बिगाड़ता है और कुछ मामलों में तो इसे नष्ट ही कर देता है। तब हम प्रायः अंतश्चेतना के निर्देश के बिना आसानी से भटक जाते हैं, तब परिणाम असफलता के रूप में मिलता है। यदि हम आंतरिक शक्ति की बात सुनें और उसके संदेश का पालन करें, तो भय या चिंता दूर हो जाएगी। हम स्थिर संतुलित हो जाएंगे। जो भौतिक सफलता के बड़े कारक हैं। हम जीवन और मृत्यु दोनों के भय से मुक्त हो जाते हैं। हम जानते हैं कि सब कुछ विवेक से प्रेरित है और परिणाम आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत अच्छा होगा। हम अपनी आंतरिक शक्ति से प्रार्थना करके, उससे बातचीत करके, चर्चा करके अच्छे-अच्छे परिणामों में वृद्धि कर सकते हैं, क्योंकि यह तो हमारे सांस लेने से भी अधिक निकट हैं। तब यह हमें सुनेगी और विवेकपूर्ण प्रत्युत्तर देगी। कुछ लोग इसे ईश्वर से प्रार्थना करना कहते हैं। एक ही बात है, क्योंकि यह चिरंतन अंतश्चेतना है। प्रार्थना करके हम अपने लिए एक नवीन सार्थक भाग्य का निर्माण करते हैं, जो हमारे पिछले जन्मों के ऋण से हमें उबार सके।

नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और...

- इसमें जल भरकर निम्न मन्त्र का जाप करके इस जल को पीने से हृदय और श्वाससंबधित रोगों से मुक्ति मिलती है
ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चंद्राय नमः
- अगर आपकी जन्मकुंडली में सूर्य नीच का है या सूर्य खराब फल प्रदान कर रहा है तो प्रत्येक रविवार दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर सूर्य को अर्ध्य दें।
- दक्षिणावर्ती शंख हर घर में अवश्य होना चाहिए इसके बिना लक्ष्मी जी की आराधना पूर्ण नहीं होती।

भारतीय संस्कृति और धर्म में शंख का बड़ा महत्व है। शंख को लक्ष्मीप्रिया, लक्ष्मी भ्राता, लक्ष्मी सहोदर आदि नामों से जाना जाता है। श्री विष्णु जी के चार आयुधों में शंख को भी एक स्थान मिला है। मन्दिरों में आरती के समय शंखध्वनि का विधान है। हर पूजा में शंख का महत्व है। शंख भिन्न-भिन्न आकृति व अनेक प्रकार के होते हैं। शंख संहिता के अनुसार सभी प्रकार के शंखों की स्थापना घरों में की जा सकती है। प्रमुखता से शंखों को तीन भागों में विभक्त किया गया है जैसे

वामावर्ती शंख - वामावर्ती बजने वाले शंख होते हैं उनका मुंह बाईं ओर होता है तथा ये बाईं ओर से खुलते हैं।

मध्यावर्ती शंख - मध्यावर्ती का मुख बीच से खुला होता है। मोती शंख मध्यावर्ती होता है।

दक्षिणावर्ती शंख - दक्षिणामुखी एक विशेष प्रकार का दुर्लभ अद्भुत चमत्कारी शंख दाहिने तरफ खुलने की वजह से दक्षिणावर्ती शंख कहलाते हैं। इस तरह के शंख सहज रूप से सुलभ नहीं हो पाते हैं। आकाश में नक्षत्र मंडल में विशेष शुभ नक्षत्र के प्रभाव से दक्षिणावर्ती शंख की उत्पत्ति समुद्र के गर्भ से होती है। यह शंख अपने चमत्कारी प्रभाव के कारण दुर्लभ व मूल्यवान भी होता है।

- इसकी नित्य आराधना करने से धन की कमी नहीं होती।
- इसमें जल भरकर श्री सूक्त का पाठ करके उस जल को दुकान, आफिस में छिड़कने से व्यापार में बढ़ौतरी होती है।
- इससे पितरों को तर्पण करने से पितृ - दोष की शांति होती है।
- इससे घर की नकारात्मक उर्जा समाप्त होती है।

108 मनकों का रहस्य

श्रद्धा, भक्ति और समर्पण की प्रतीक माला के 108 मनके अपने में गूढ़ अर्थ संजोए हैं। भारतीय मुनियों ने एक वर्ष में 27 नक्षत्र बताए हैं। प्रत्येक नक्षत्र के चार चरण हैं, इस प्रकार 108 चरण होते हैं। माला का एक-एक मोती नक्षत्र के एक-एक चरण का प्रतिनिधित्व करता है। इसीलिए ज्योतिर्विज्ञान में यह संख्या शुभ मानी जाती है। ज्योतिष के अनुसार ब्रह्मांड को 12 भागों में विभाजित किया गया है।

इन 12 भागों के नाम मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन हैं। इन 12 राशियों में नौ ग्रह सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु विचरण करते हैं। अतः ग्रहों की संख्या 9 का गुणा किया जाए राशियों की संख्या 12 में तो संख्या 108 प्राप्त हो जाती है। माला के मोतियों की संख्या 108 संपूर्ण ब्रह्मांड का प्रतिनिधित्व करती है।

मन, वचन और कर्म से जो हिंसा आदि पाप होते हैं, वे 36 प्रकार के होते हैं। इन्हें स्वयं करने, दूसरों से कराने तथा करते हुए को सराहने से यह संख्या 36 का तीन गुना यानी 108 हो जाती है। इन 108 पापों (बुरे कामों) से मुक्ति के लिए माला का जप किया जाता है। बौद्ध मत में भी यह संख्या शुभ मानी जाती है। बुद्ध के जन्म के समय 108 ज्योतिषियों के उपस्थित रहने की बात कही जाती है। बौद्ध धर्म में आस्था रखने वाले देश जापान में श्राद्ध के अवसर पर 108 दीपक जलाने की प्रथा है। वस्तुतः माला का उपयोग मन की एकाग्रता के लिए किया जाता है। विद्वानों का मानना है कि जप के माध्यम से मन के मतवाले घोड़े को नियंत्रण में रखा जा सकता है, जिससे अपार भौतिक व आध्यात्मिक उपलब्धियां प्राप्त हो जाती हैं।

माना जाता है कि माला फेरते समय अंगूठे व अंगुलियों के मध्य घर्षण से एक प्रकार की विद्युत उत्पन्न होती है, जो धमनियों द्वारा सीधे हृदय चक्र को प्रभावित करती है। इससे मन स्थिर होता है। यह तभी प्रभावी होता है, जब जप करने वाले के मन का मैल धुला हुआ हो....

पांच पतियों के साथ रहते हुए भी द्रौपदी पतिव्रता कैसे?

पुरूष भले ही कई स्त्रियों से संबंध रखे लेकिन स्त्री का किसी दूसरे पुरूष से संपर्क होने पर उसे गलत नजरों से देखा जाने लगता है। स्त्रियों के लिए नियम बनाया गया है कि वह अपने पति के अलावा किसी अन्य के प्रति अनुराग की भावना मन में नहीं लाए। जो स्त्री ऐसा करती है उसे पतिव्रता कहा जाता है। महाभारत काल में महाराज द्रुपद की पुत्री द्रौपदी का विवाह पांच पुरूषों के साथ हुआ था। पांच पुरूषों के साथ संबंध बनाने के बावजूद द्रौपदी को सीता के समान पतिव्रता कहा गया है।

इसका कारण मात्र एक है कि, द्रौपदी पांचों पुरूषों की व्याहता पत्नी थी। द्रौपदी ने कभी भी अपने पांच पतियों के अलावा किसी और की ओर अनुराग प्रदर्शित नहीं किया। कीचक और जरासंध ने द्रौपदी के मान को भंग करने का प्रयास भी किया लेकिन द्रौपदी ने विषम परिस्थिति में संयम का पालन किया और अपने सतीत्व की रक्षा की।

लेकिन सवाल उठता है कि शक्तिशाली राजा द्रुपद ने पांच पुरूषों के साथ अपनी पुत्री का विवाह करना कैसे स्वीकार किया। इस संदर्भ में कथा है कि महर्षि व्यास ने महाराज द्रुपद को बताया कि दिव्य दृष्टि देकर पांचों पुरूषों यानी पांचों पाण्डवों के पूर्व जन्म का ज्ञान कराया।

द्रुपद ने जाना कि पांचों पाण्डव असल में पांच इन्द्र हैं जो देवताओं के कार्य को पूरा करने के लिए प्रकट हुए हैं। द्रौपदी स्वर्ग की लक्ष्मी हैं जिनका विवाह ब्रह्मा जी ने पांचों पाण्डवों से निश्चित किया है। इस सत्य को जानकर द्रुपद ने पांचों पाण्डवों के साथ द्रौपदी का विवाह कर दिया।

आर्थिक परेशानी के यह कारण हो सकते हैं

धन को आदर दें

संसार का नियम है कि आप जब किसी को आदर देते हैं तभी वह आपके पास ठहरता है। यही बात धन के साथ लागू है। कुछ लोगों की आदत होती है कि वह रूपया गिनते समय थूक लगाकर गिनती करते हैं जो अनुचित तरीका है। ऐसे करने से धन का अपमान होता है।

सोते समय ऐसी गलती नहीं करें

सोना सिर्फ आपके आराम के लिए और शरीर की थकान मिटाने के लिए नहीं है। शास्त्रों में शयन को योग क्रिया कहा गया है जो व्यक्ति के मस्तिष्क और बौद्धिक क्षमता को प्रभावित करता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होती है। जो व्यक्ति धन और देवी लक्ष्मी की कृपा चाहते हैं उन्हें सोने से पहले बिस्तर को अच्छी तरह से साफ कर लेना चाहिए। बेहतर तरीका यह है कि सोने से पहले बिछावन पर साफ चादर बिछा लें। गंदे और अपवित्र स्थान पर शयन करने से नकारात्मक उर्जा का प्रभाव बढ़ जाता है। इससे मन में नकारात्मक विचार आते हैं, शरीर में उर्जा की कमी महसूस होती है।

भोजन का आदर करें

लक्ष्मी का एक स्वरूप अन्न भी है। इस रूप से देवी लक्ष्मी शरीर का पोषण करती है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में लक्ष्मी के इस स्वरूप की पूजा होती है। इसलिए जब भोजन सामने आए तब उसे आदर पूर्वक प्रसाद समझकर ग्रहण करना चाहिए।

भोजन करते समय पूरा भोजन करने के बाद उठना चाहिए। एक बार उठ जाने के बाद फिर से वही भोजन करना जूठन खाना कहलाता है जिससे लक्ष्मी नाराज होती हैं। भोजन करते समय पैर भोजन की ओर नहीं हो इसका ध्यान रखें। कुछ लोग क्रोध आने पर भोजन की थाली फेंक देते हैं, इस तरह की आदत धन वैभव एवं पारिवारिक सुख के लिए नुकसान दायक होता है।

झाड़ू रखें छुपाकर

झाड़ू का उपयोग भले ही घर की गंदगी साफ करने के लिए किया जाता है लेकिन इसका आपकी समृद्धि में बड़ा ही महत्व है। शास्त्रों में कहा गया है कि झाड़ू को हमेशा छुपाकर रखना चाहिए। ताकि बाहर से आने वाले व्यक्ति की नजर इस पर नहीं जाए। झाड़ू को हमेशा आदर के साथ रखना चाहिए। कभी भी पटकर कर या पैरों मारकर झाड़ू का अपमान नहीं करें। अगर आप किराए के मकान में रहते हैं तो घर बदलते समय झाड़ू को साथ जरूर लेकर जाएं।

ऐसे सिर नहीं खुजाएं

आमतौर पर सिर में खुजाहट होने पर सभी व्यक्ति सिर खुजा लेते हैं। इसमें कुछ बुराई भी नहीं है लेकिन अगर आप अपने दोनों हाथों से सिर में खुजली करना शुरू कर देते हैं तो यही शास्त्रानुसार गलत हो जाता है। दोनों हाथों से सिर खुजाना शुभ नहीं माना जाता है। इससे लक्ष्मी अप्रसन्न होती हैं।

इस समय कंघी नहीं करें

बालों को संवारने के लिए दिन में भले ही आप जितनी बार चाहें कंघी कर लें, लेकिन शाम ढ़लने के बाद कंघी नहीं करें। रात में कंघी करना और सोते समय इत्र लगाना धन के लिए नुकसानदायक माना गया है।

पत्नी और बेटी के साथ ऐसा नहीं करें

पत्नी को शास्त्रों में गृहलक्ष्मी कहा गया है। जबकि बेटी और अविवाहित कन्याओं को देवी का स्वरूप माना गया है। जो व्यक्ति इनका अपमान करते हैं। इन पर हाथ उठाते हैं उनके घर की सुख शांति चली जाती है। धन का क्षय भी लगातार होता रहता है।

ऐसे बढ़ाएं अपना धन

लक्ष्मी की कृपा बनी रहे इसके लिए गैर जरूरी खर्चों पर अंकुश रखें और संचय की आदत डालें। संचय का मतलब सिर्फ बैंक में जमा करना नहीं है। संचय का तात्पर्य है कि अपनी आय से कुछ धन जरूरत मंदों को दान दें। असली संचय इसे कहा गया है। जो व्यक्ति इस प्रकार का संचय करता है उसकी जमा पूंजी में निरंतर वृद्धि होती है।

शिक्षाविद मास्टर रामकुमार आर्य स्मृति मंच का उद्घाटन, प्रतिमा का हुआ अनावरण

शिक्षा, संस्कार और संगीत के संगम से समाज को दिया प्रेरक संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

भारतीय शिक्षण संस्थान नावता की ढाणी तन पचेरी कलां में गुरुवार को स्कूल के संस्थापक, प्रख्यात शिक्षाविद एवं आर्य समाज के प्रवर्तक मास्टर रामकुमार आर्य की प्रतिमा एवं स्मृति मंच का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में शिक्षा, संस्कार, सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों का सुंदर समन्वय देखने को मिला। कार्यक्रम के प्रारंभ में स्कूल के निदेशक कर्णपाल एवं ऋषिपाल द्वारा मंचासीन अतिथियों का पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-यज्ञ में आहुति दी गई, जिसके पश्चात प्रतिमा अनावरण एवं स्मृति मंच का उद्घाटन संपन्न हुआ।

शिक्षक समाज सुधार का आजीवन साधक होता है- विधायक श्रवण कुमार

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार ने कहा कि शिक्षक जीवन पर्यंत समाज को दिशा देने का कार्य करता है। मास्टर रामकुमार आर्य ने सरल, सादगीपूर्ण जीवन जीते हुए शिक्षा के साथ-साथ समाज सुधार के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्तित्व इतिहास में अमिट छाप छोड़ते हैं, यही कारण है कि आज हजारों लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने एकत्रित हुए हैं। विधायक ने अपने सार्वजनिक जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनका संकल्प जनता की सेवा करना है, विशेषकर पेयजल संकट के समाधान हेतु निरंतर प्रयास किए गए, जिसके परिणामस्वरूप सूरजगढ़ क्षेत्र में यमुना जल पहुंचाने में सफलता मिली।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और वैदिक भजन

सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। आर्य समाज के प्रचारक एवं भजनोपदेशकों द्वारा प्रस्तुत वैदिक भजनों ने न केवल मास्टर रामकुमार आर्य के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला, बल्कि सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध भी सार्थक संदेश दिया।

मास्टर रामकुमार आर्य की प्रतिमा का अनावरण करते हुए अतिथिगण

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार

भोजन की बर्बादी और जूठन न छोड़ने की शपथ दिलाते हुए डॉ पीतराम सिंह गोदारा

वैदिक संस्कृति और संस्कारिक शिक्षा के सच्चे प्रहरी थे मास्टर आर्य- जसनाथ महाराज

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे दुधवा ठाडेश्वर महाराज आश्रम के पीठाधीश्वर एवं खेतड़ी के पूर्व प्रधान जसनाथ महाराज ने कहा कि मास्टर रामकुमार आर्य वैदिक संस्कृति और संस्कारिक शिक्षा के प्रबल पक्षधर थे। उन्होंने अपने संपूर्ण सेवाकाल और सेवानिवृत्ति के बाद भी शिक्षा और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए, जिससे समाज को सकारात्मक दिशा मिली।

प्रेरणा का स्रोत बना आयोजन

कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह ने मास्टर रामकुमार आर्य के जीवन दर्शन से प्रेरणा लेते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया और उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।

शिक्षा, संस्कृति और इतिहास संरक्षण में था अमूल्य योगदान- सत्यव्रत शास्त्री

अहिरवाल साहित्य मंच के संयोजक सत्यव्रत शास्त्री ने कहा कि गुरुजी रामकुमार आर्य का शिक्षा, संस्कृति, संगीत और इतिहास लेखन के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान रहा। उन्होंने नावता गांव के सिद्ध बाबा की तपोभूमि पर ऐतिहासिक रचनाएं लिखकर धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा अहिरवार क्षेत्र के ढाई हजार गांव के इतिहास लेखन में भी उनका महत्वपूर्ण सुझाव रहा है।

सामाजिक जागरूकता का संदेशः भोजन की बर्बादी रोकने की दिलाई गई शपथ

कार्यक्रम के दौरान शेखावाटी संभाग में चलाए जा रहे 'थाली में उतना ही लें, नाली में व्यर्थ न डालें' अभियान को आगे बढ़ाते हुए स्वरुचि भोज से पूर्व डॉ. पीतराम सिंह गोदारा ने उपस्थित जनसमूह को भोजन की बर्बादी नहीं करने एवं बच्चों को झूठन न छोड़ने की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम के दौरान आर्य समाज के श्रेष्ठ जनों का सम्मान करते हुए भारती पब्लिक स्कूल के संचालक

गणमान्यजन रहें उपस्थित

कार्यक्रम में महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष शकुंतला यादव, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी मानसिंह, पूर्व सरपंच ओमप्रकाश बोहरा, भील सेना के नायक विनोद यादव भील, पूर्व सरपंच जगदेव सिंह, पंचायत प्रशासक बलवीर सिंह, सिंघाना कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बाबूलाल कालोरिया, यूथ कांग्रेस के डीपी सैनी, इंजीनियर संदीप यादव, बजरंग लाल जांगिड़, उदयभान यादव, शिक्षाविद रणधीर सिंह यादव, सहीराम तूंदवाल, यादराम आर्य, आर्य समाज के पदाधिकारी एवं अहिरवाल साहित्य मंच के सदस्य सहित अनेक शिक्षाविद, सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता मौजूद रहें।

101 वर्षीय सामाजिक कार्यकर्ता सोदरा देवी परिहार का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.कोलासर/बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । कोलासर गांव से एक दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। गांव की प्रतिष्ठित एवं सामाजिक रूप से सक्रिय सोदरा देवी परिहार का 101 वर्ष की सुदीर्घ आयु में निधन हो गया। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाजसेवा को समर्पित करते हुए क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान बनाई।उनके निधन की खबर से कोलासर सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सामाजिक योगदान को याद किया। सोदरा देवी परिहार अपने पीछे भरा-पूरा एवं शिक्षित परिवार छोड़ गई हैं। उनके पुत्र भोजाराम परिहार एवं ओमप्रकाश परिहार हैं, जबकि पौत्रों में पूनमचंद परिहार एवं अशोक परिहार (अध्यापक) शामिल हैं। परिवारजनों ने बताया कि माताजी का जीवन सादगी, सेवा और संस्कारों से परिपूर्ण रहा। वे सदैव जरूरतमंदों की सहायता, सामाजिक एकता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने में अग्रणी रहीं। उनका मार्गदर्शन परिवार ही नहीं, पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि 'जीवन वही है जो दूसरों के काम आए' – इस कहावत को सोदरा देवी परिहार ने अपने जीवन से चरितार्थ कर दिखाया। उनके निधन से समाज ने एक प्रेरणादायी व्यक्तित्व खो दिया है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर मीटिंग आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर/चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया। अखिल भारतीय गरीबाधाम सेवा संस्थान ट्रस्ट, अखिल भारतीय सूत्रकार बलाई महासभा राजस्थान एवं रोजडे प्रोडक्शन हाउस राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आचार्य गरीब साहेब जन्मोत्सव के तहत रामनवमी के अवसर पर सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजित किया जाएगा। सामूहिक विवाह सम्मेलन को सफल बनाने को लेकर श्री नारायण पैराडाइज, नारायण विहार बडी खेड़ा रोड़ नारायण विहार, बगरू जयपुर में शुक्रवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक आवश्यक मीटिंग रखी गई है। यह जानकारी बीएम रोजडे ने दी।

आयरन लेडी बहन कुमारी मायावती का 70वां जन्मदिन जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया

पंचायत राज चुनाव दमखम से लड़ेगी बसपा- एडवोकेट प्रेम बारूपाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनू।

बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो, आयरन लेडी बहन कुमारी मायावती का 70वां जन्मदिन गुरुवार को अंबेडकर पार्क झुंझुनू में पूरे हर्षोल्लास और जनउत्साह के साथ जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर मिठाइयां वितरित कर खुशियां साझा की गईं और बहन मायावती के दीर्घायु व सामाजिक न्याय के संकल्प को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद मंचासीन अतिथियों का माला एवं साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।

पूरे राजस्थान में पंचायत राज चुनाव दमखम से लड़ेगी बसपा- एडवोकेट प्रेम बारूपाल

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडवोकेट प्रेम बारूपाल, प्रदेश अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी राजस्थान ने अपने संबोधन में कहा कि आने वाले समय में सर्व समाज बहुजन समाज पार्टी के साथ मजबूती से जुड़ेगा और बहन कुमारी मायावती के हाथों को और मजबूत करेगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि झुंझुनू सहित पूरे राजस्थान में बहुजन समाज पार्टी पंचायत राज चुनाव पूरी ताकत और दमखम के साथ लड़ेगी। बसपा का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक अधिकार, सम्मान और न्याय पहुंचाना है।

मंचासीन अतिथि एडवोकेट हरि सिंह तेंनगुरिया ने कहा कि पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर सक्रियता और सामाजिक एकता को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

प्रदेशभर से उमड़ा बसपाइयों का जनसैलाब

करीब चार घंटे चले इस भव्य कार्यक्रम में झुंझुनू के साथ-साथ सीकर, कोटपूतली, नागौर, डीडवाना, बीकानेर, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर सहित कई जिलों से बसपा कार्यकर्ताओं का जनसैलाब उमड़ा। अंबेडकर पार्क में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया।स्टेट जोन प्रभारी करण सिंह भंडारी, सीताराम शीला, पुखराज मेघवाल सहित सभी पदाधिकारियों ने अपने-अपने संबोधन में बहन मायावती के नेतृत्व की सराहना करते हुए पंचायत राज चुनाव में बसपा को मजबूत करने का संकल्प लिया।

बड़ी संख्या में गणमान्य नेता व कार्यकर्ता रहे मौजूद

कार्यक्रम में डॉ. जगदीश प्रसाद बरवड़, मेजर भूपेंद्र सिंह डाडा फतेहपुरा, धर्मेंद्र कुमार काला, पार्षद प्रतिनिधि संदीप पाटिल, धर्मेंद्र किलानिया, बंशीधर भीमसरिया, धर्मपाल जिलोवा, संतलाल महरड़ा, प्रेम कुमार नायक, ओमप्रकाश सिंह, भैया चंपालाल देशप्रेमी (भीम आर्मी तहसील अध्यक्ष मंडावा), अजय वर्मा नुआ (भीम आर्मी विधानसभा अध्यक्ष), सुदर्शन महरिया, शंकरलाल जरोदा, राधेश्याम सूट, दारा सिंह कलवा, पूर्व जिलाध्यक्ष सजनलाल चूड़ी, रामनारायण राठी, गुलाब नवी आजाद, फूलचंद जिलोवा, राजेंद्र नरनोलिया, सावित्री जिलोवा, नारायणी देवी, रामादेवी नायक सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

बहन मायावती के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बहन कुमारी मायावती के सामाजिक न्याय, समानता और बहुजन उत्थान के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा पंचायत राज चुनाव में बसपा को ऐतिहासिक सफलता दिलाने का संकल्प लिया।

टोहाना समाधान शिविरः हर शिकायत का समयबद्ध व स्थायी समाधान सुनिश्चित करें सभी विभागः एसडीएम आकाश शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । लघु सचिवालय टोहाना स्थित एसडीएम कार्यालय में वीरवार को एसडीएम आकाश शर्मा की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित जनसमस्याओं को सुनते हुए एसडीएम ने उनके त्वरित, समयबद्ध एवं स्थायी समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि समाधान शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना है। उन्होंने कहा कि जिन शिकायतों को पहले निपटाया जा चुका है और वे पुनः खुली हैं, उन मामलों की गहन जांच की जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि समाधान में कोई कमी न रहें। उन्होंने विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि वे स्वयं ऐसे मामलों पर व्यक्तिगत रूप से संज्ञान लें और शिकायतकर्ता की संतुष्टि को प्राथमिकता देते हुए समाधान सुनिश्चित करें, ताकि एक ही शिकायत बार-बार सामने न आए। उन्होंने कहा कि आम नागरिक प्रशासन पर भरोसा जताते हुए अपनी समस्याएं लेकर समाधान शिविर में पहुंचते हैं, इसलिए अधिकारियों का यह दायित्व बनता है कि वे लोगों की छोटी से छोटी समस्या को भी गंभीरता से लें। शिकायत चाहे किसी भी विभाग से संबंधित हो, उसका समाधान निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाना चाहिए। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर को केवल एक औपचारिक प्रक्रिया न मानें, बल्कि इसे जनसेवा का प्रभावी माध्यम समझते हुए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए निर्धारित तिथियों पर समाधान शिविर में उपस्थित होकर अपनी शिकायत दर्ज करवाएं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय जाट महासंघ ने नेशनल खिलाड़ी अर्पिता को चिड़ावा में सम्मानित किया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

राष्ट्रीय जाट महासंघ के तत्वावधान में चिड़ावा स्थित महालक्ष्मी ज्वैलर्स पर महासिंह माठ की अध्यक्षता में बनगोठड़ी निवासी नेशनल खिलाड़ी अर्पिता कुमारी पुत्री कृष्ण कुमार धनखड़ का फूल माला व साफा पहनाकर के स्वागत किया। वॉलीबॉल टीम की कप्तान अंडर 14 वर्षिय में अर्पिता कुमारी के द्वारा कांस्य पदक जीतने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय जाट महासंघ के जिला संगठन महामंत्री कंवरपाल बलवदा, जिला सलाहकार डॉ. महेंद्र सिंह नेहरा, पिलानी ब्लॉक अध्यक्ष विरेन्द्र पूनियां, सेवानिवृत्त एस. आई. सूरतसिहं धनखड़, कोच ओमवीर पूनियां , प्राचार्य अनुजा जाखड़, मुकेश धनखड़, केप्टन कृष्ण कुमार धनखड़ सहित अनेक लोगों ने अर्पिता कुमारी का स्वागत किया।

तोदी महाविद्यालय के व्याख्याता व विद्यार्थी शामिल हुए मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम में

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय श्री भगवानदास तोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी घनश्याम वर्मा तथा दो विद्यार्थी ऋषिप्रसाद जांगिड़व अजय राज सिंह मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बजट पूर्व संवाद में शामिल हुए। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत ने बताया कि राजस्थान के विभिन्न विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के कुल 70 विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री निवास पर बजट पूर्व संवाद में शामिल किया गया।महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी घनश्याम वर्मा, स्वंयसेवक ऋषिप्रसाद जांगिड़तथा एनसीसी कैडेट अजय राज सिंह का उक्त संवाद में शामिल होना महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले कार्यक्रम अधिकारी व दोनों विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री से बजट पूर्व संवाद में विभिन्न विषयों पर चर्चा में भाग लेकर अपने विचार व्यक्त किये। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत, सचिव आशकरण शर्मा, प्रशासक प्रमेन्द्र सिंह शेखावत तथा सभी स्टाफ सदस्यों ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों के बढते बौद्धिक स्तर पर प्रसन्नता व्यक्त की।

महाराजा सूरजमल चौक का उद्घाटन, सूरजगढ़ में भव्य कार्यक्रम का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

गुरुवार को वीर तेजाजी विकास संस्थान सूरजगढ़ के निर्देशन में चैयरमेन पुष्पा गुप्ता की अध्यक्षता में तथा विधायक श्रवण कुमार के मुख्य आतिथ्य में महाराजा सूरजमल चौक का विधिवत उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद संतोष अहलावत, प्रधान बलवान सिंह, पूर्व प्रधान शेर सिंह नेहरा, विकास शर्मा एवं एस.आर. प्रेमी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। उद्घाटन अवसर पर सेवाराम गुप्ता, मोतीलाल डिग्रवाल एवं बलबीर सिंह ठोलिया ने महाराजा सूरजमल के जीवन, उनके शौर्य, राष्ट्रहित में किए गए कार्यों तथा सामाजिक समरसता के लिए दिए गए योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि महाराजा सूरजमल भारतीय इतिहास के महान योद्धा, कुशल प्रशासक और जनकल्याणकारी शासक थे, जिनसे आज की पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जगदेव सिंह खरड़िया ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र सिंह भालोठिया ने किया। मुख्य अतिथि विधायक श्रवण कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि महाराजा सूरजमल जैसे महापुरुषों की स्मृति में बनाए गए चौक और स्मारक युवाओं को देशभक्ति, साहस और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। विधायक ने क्षेत्र के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने और जनहित में निरंतर कार्य करने का भी आश्वासन दिया। इस अवसर पर ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष रामविलास शर्मा, पार्षद महावीर सैनी, सुरेश खेदड़, राजकुमार गोदारा, बाबूलाल बड़गुजर, बजरंगलाल धींवा, रघुवीर भाटिया, राजकुमार राठी, सज्जन कुमावत, दलीप खेदड़, रणवीर जालोर, महेंद्र नेहरा, विजय मील, नत्थू सिंह कुमावत, रामस्वरूप आसलवासिया, जगदीश लोरानियां, बलबीर राव, सुनील बिजारणियां, हेमंत लुनायच, राजेश गोदारा, श्रीराम ठोलिया, कुन्नीलाल ओला, नरेंद्र मान, सज्जन कटारिया, राजेंद्र फौजी, रोहिताश महला, रोहिताश मैचू, अशोक नेहरा, महेंद्र स्यालू, अशोक ओला सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहें। कार्यक्रम के अंत में महाराजा सूरजमल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया और क्षेत्र में सामाजिक एकता व विकास के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

ढाणी निहालोठ में दिनदहाड़े चोरी; ग्रामीणों में आक्रोश, पुलिस पर लापरवाही के आरोप

फौजी और पुलिसकर्मियों के घर बने निशाना, गांव में बढ़ी चिंता

चोर बेखौफ, ग्रामीण खौफ में – ढाणी निहालोठ में फिर चोरी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

थाना पचेरी कलां क्षेत्र के अंतर्गत ढाणी निहालोठ में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वे अब दिनदहाड़े चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। मकर संक्रांति के दिन गांव के पास रसलपुर की जोहड़ी में आयोजित मेले में परिवार के लोग गए हुए थे, इसी का फायदा उठाते हुए चोरों ने घर में घुसकर जेवरात और नगदी रुपये चोरी कर लिए।जानकारी के अनुसार ढाणी निहालोठ निवासी नीरज कुमार पुत्र सुरेश कुमार के घर बुधवार दोपहर चोरी की घटना हुई, जब परिवार मेले में गया हुआ था। लौटने पर घर के ताले टूटे मिले और अलमारी से जेवरात व नकदी गायब पाई गई। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में बीते कुछ महीनों में लगातार तीन चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अब तक पुलिस एक भी मामले का खुलासा नहीं कर पाई है, जिससे चोरों के हौसले और बढ़ गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि चोर विशेष रूप से उन घरों को निशाना बना रहे हैं, जिनके परिवार के सदस्य फौज या पुलिस विभाग में सेवारत हैं, क्योंकि ऐसे घरों में नकदी और जेवरात होने की संभावना अधिक रहती है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछली चोरी भी राजस्थान पुलिस में कार्यरत एक जवान के घर पर हुई थी, जिसका भी अब तक कोई खुलासा नहीं हो पाया है। ऐसे में आमजन में यह चर्चा है कि जब पुलिसकर्मी के घर हुई चोरी का खुलासा नहीं हो सका, तो आम नागरिकों के मामलों में कार्रवाई की उम्मीद कैसे की जाए।लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत और आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि पुलिस की निष्क्रियता से जनता का भरोसा कमजोर हो रहा है। ग्रामीणों ने गश्त बढ़ाने, संदिग्ध लोगों पर नजर रखने और जल्द से जल्द चोरी की घटनाओं का खुलासा करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगाया गया और आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

वीबी-जी राम जी योजना को लेकर कांग्रेस फैला रही भ्रमः रतन सिंह तंवर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

भाजपा किसान मोर्चा के झुंझुनूं जिलाध्यक्ष रतन सिंह तंवर ने मनरेगा का नाम बदलकर विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) किए जाने को लेकर कांग्रेस पार्टी पर जनता में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिना तथ्यों के जनता को गुमराह कर रही है, जबकि नई योजना में मजदूरों, किसानों और ग्रामीण जनता के हित में कई महत्वपूर्ण और लाभकारी सुधार किए गए हैं। जिलाध्यक्ष तंवर ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस योजना के सफल क्रियान्वयन और जनजागरूकता के लिए भाजपा किसान मोर्चा को नोडल एजेंसी के रूप में जिम्मेदारी सौंपी है। इसके तहत आगामी दिनों में मंडल स्तर तक सम्मेलन आयोजित कर ग्रामीणों को योजना की विस्तृत जानकारी दी जाएगी, ताकि पात्र लाभार्थी अधिक से

अधिक लाभ उठा सकें। उन्होंने बताया कि वीबी-जी राम जी योजना के तहत अब ग्रामीण मजदूरों को पहले की तुलना में अधिक रोजगार मिलेगा। जहां पहले मनरेगा में 100 दिन का रोजगार सुनिश्चित था, वहीं अब इस योजना में 125 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे मजदूरों को 25 अतिरिक्त दिनों का सीधा लाभ मिलेगा। तंवर ने आगे बताया कि पहले मनरेगा योजना की संपूर्ण राशि केंद्र सरकार वहन करती थी, लेकिन अब वीबी-जी राम जी योजना में 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जाएगी, जिससे राज्यों की भी अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी और कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होगा।

उन्होंने कहा कि योजना में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए बायोमेट्रिक हाजिरी को अनिवार्य किया गया है, ताकि फर्जी हाजिरी और भ्रष्टाचार पर रोक लग सके तथा मजदूरी सीधे वास्तविक श्रमिकों तक पहुंचे। किसान मोर्चा नेताओं ने कहा कि यह योजना केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण आजीविका, कृषि कार्यों, जल संरक्षण, सड़क, तालाब, चारागाह विकास जैसे कार्यों से गांवों के समग्र विकास में सहायक होगी। उन्होंने कांग्रेस पर राजनीतिक लाभ के लिए योजना को लेकर गलत प्रचार करने का आरोप लगाते हुए जनता से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सरकारी योजनाओं की सही जानकारी प्राप्त करें।

पद्मविभूषण तुलसी पीठाधीश्वर रामानंदाचार्य जगद्गुरु श्री स्वामी रामभद्राचार्य महाराज की रामकथा में शामिल हुए उद्योगपति लखोटिया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

पद्मविभूषण तुलसी पीठाधीश्वर रामानंदाचार्य जगद्गुरु श्री स्वामी रामभद्राचार्य महाराज के 77वें जन्मोत्सव पर नीदड़ हरमाड़ा में आयोजित दिव्य रामकथा में जाने माने उद्योगपति भामाशाह समाजसेवी कुमार लखोटिया ने शिरकत कर महाराश्री का सानिध्य प्राप्त कर आशीर्वाद लिया तथा रामकथा का अमृतपान कर हनुमान जी की आरती की। उद्योगपति लखोटिया ने बताया कि रामकथा में शामिल होने वाला क्षण अत्यंत आध्यात्मिक, श्रृद्धा एवं प्रेरणा से परिपूर्ण रहा। उन्होंने कहा कि गत जयपुर में परम पूज्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज का दिव्य आशीर्वाद प्राप्त होना मेरे लिए अत्यंत पावन, अविस्मरणीय एवं आत्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण क्षण रहा एवं महाराजश्री का सान्निध्य मन को श्रद्धा, विश्वास और सकारात्मक संकल्प से भर देने वाला रहा, जिसने जीवन को सेवा, साधना और सनातन मूल्यों के पथ पर और अधिक दृढ़ता से अग्रसर होने की प्रेरणा प्रदान की। इससे पूर्व रामकथा में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े,

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित राजस्थान सरकार के मंत्री, सांसद विधायक, उद्योगपति आदि ने रामकथा में शिरकत कर कथा का अमृतपान कर महाराजश्री का आशीर्वाद प्राप्त किया।

भीम प्रज्ञा कविता

प्रभु के पास, और कहीं नहीं

बोल दो प्रभु के पास,
शब्दों को मत बाँटो और कहीं,
दुख की परछाइयाँ
सिर्फ उसी दीपक में जलें।

मन की गहराई में
एक मौन नदी बहती है,
उसकी लहरें जानती हैं
किसे पुकारना है, किसे नहीं।

आँखों की धुंध में
प्रभु का आकाश छिपा है,
वहीं रख दो अपने बोझ,
और किसी द्वार पर मत रखो।

सुनो–
दुख जब प्रभु के कानों में उतरता है,
तो वह संगीत बन जाता है,
बाकी सब शोर है,
जिसे कहना व्यर्थ है।

क्षमा राव, मुंबई कवयित्री

इक़रा एजुकेशन लाइब्रेरी का शुभारंभ, शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में अहम पहल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । नागौरी तेलियान समाज बीकानेर की तंजीम नागौरी तेलियान विकास समिति द्वारा संचालित इक़रा एजुकेशन लाइब्रेरी का शुभारंभ 11 जनवरी (रविवार) को मदरसा अहले-सुन्नत फ़ैज़ान-उल-क़ुरआन में समारोहपूर्वक किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता अब्दुल मजीद खोखर ने की, जबकि मुख्य अतिथि डॉ. मोहम्मद सलीम और विशिष्ट अतिथि मक़सूद अहमद के कर-कमलों से लाइब्रेरी का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम अध्यक्ष अब्दुल मजीद खोखर ने कहा कि यह लाइब्रेरी समाज की पहली लाइब्रेरी है, जो बच्चों और युवाओं के शैक्षणिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्य अतिथि डॉ. मोहम्मद सलीम ने कहा कि आज के दौर में ऐसी लाइब्रेरी की अत्यंत आवश्यकता है, जहां विद्यार्थी शांत वातावरण में बैठकर अध्ययन कर सकें और अपने भविष्य को बेहतर बना सकें। विशिष्ट अतिथि मक़सूद अहमद ने कहा कि जो कौम तरक़्क़ी चाहती है, वह शिक्षा को प्राथमिकता देती है और शिक्षा के लिए लाइब्रेरी का होना अनिवार्य है। सूरत से आए राजन ज़ैदी ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ज़ैनब ज़ैदी की ओर से लाइब्रेरी में सीसीटीवी कैमरे और वाई-फाई सुविधा लगवाने की घोषणा की। मुफ्ती अशफ़ाक़ उल्लाह ग़ौरी ने कहा कि आज के समय में पढ़ा-लिखा होना जीवन का मूल आधार है और शिक्षा हासिल करना हम सभी का फ़र्ज़ है। अनवर वकील साहब इरशाद ग़ौरी ने भी लाइब्रेरी के उपयोग और बच्चों को मिलने वाले लाभों पर अपने विचार रखे। समिति के अमीर वली मोहम्मद ग़ौरी रज़वी 'वली' ने समिति का परिचय देते हुए सभी अतिथियों और आगंतुकों का स्वागत किया। समिति के सिकंदर राठौड़ ने बताया कि कार्यक्रम में विशिष्ट

अतिथि के रूप में शौकत अली राठौड़ (चलवा) और रज़ाक ग़ौरी (चलवा) ने शिरकत की। इस अवसर पर समिति के सरपरस्त सय्यद रमज़ान साहब, साबिर गोल्डी, नज़ीर ग़ौरी, सय्यद इरफ़ान अली (मास्टर जी), हसन अली ग़ौरी (नेताजी), इशरत अली ग़ौरी, ख़ैरदीन राठौड़, ज़ाकिर हुसैन, समिति सदस्य सय्यद आफ़ताब, एडवोकेट मक़बूल ख़ान, सैय्यद ताहिर, इस्माइल ख़लिजी, मो. हुसैन ख़लिजी, रिज़वान ख़न्ना, अब्दुल रज़ाक राठौड़, साजिद हुसैन ग़ौरी, माजिद ख़ान ग़ौरी, इक़बाल ख़लिजी, वासिद अली, समाज के वरिष्ठ मुश्ताक चौधरी, हासम चौधरी, सय्यद अख़्तर अली, बाबू ख़लिजी, अनारदीन राठौड़, हनीफ़ ग़ौरी, अतहर ग़ौरी, क़ासिम बीकानेरी, अब्दुल क़दीर ग़ौरी, इल्मुद्दीन ख़लिजी, सय्यद ख़ालिद, बरकत राठौड़, बाबू राठौड़, बिलाल अहमद ख़लिजी, मोहम्मद इस्लाम ख़लिजी, आबिद ग़ौरी, इंसाफ अली ग़ौरी, शोएब ग़ौरी सहित बड़ी संख्या में युवा एवं बुज़ुर्ग मौजूद रहें रहे। कार्यक्रम के अंत में शिक्षा को समाज की प्राथमिकता बनाने और अधिक से अधिक बच्चों को लाइब्रेरी से जोड़ने का संकल्प लिया गया।

दिसनाऊ में आयोजित प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण में 25 किसानों ने सीखे व्यावहारिक गुर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

दिसनाऊ गांव में किसानों को रासायनिक खेती से मुक्त कर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। बजाज फाउंडेशन की ओर से आयोजित उक्त कार्यशाला में गांव के 25 किसानों ने भाग लिया।कार्यक्रम किसान सूर्य प्रकाश शर्मा के खेत पर आयोजित हुआ। प्राकृतिक खेती के मास्टर ट्रेनर अरुण कुमार शर्मा ने किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व, लाभ और व्यावहारिक पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती अपनाने से खेती की लागत घटती है, मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है और उपज स्वास्थ्यवर्धक व सुरक्षित होती है। यह पद्धति पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है।प्रशिक्षण के दौरान किसानों को जीवामृत, घन जीवामृत, बीजामृत जैसे प्राकृतिक इनपुट्स के साथ-साथ नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र व अग्नियास्त्र जैसे प्राकृतिक कीट नियंत्रण उपायों की जानकारी दी गई। देसी गाय आधारित खेती, मिट्टी में जीवांश बढ़ाने तथा फसलों की प्राकृतिक देखभाल के तरीकों पर भी चर्चा की गई।कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि प्राकृतिक खेती अपनाकर किसान अपने परिवार के लिए अनाज, सब्जी एवं अन्य खाद्य सामग्री स्वयं उत्पादन कर सकते हैं, जिससे आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। इस अवसर पर बजाज फाउंडेशन सीकर के कार्यक्रम अधिकारी मोहन दोगाया ने कहा कि फाउंडेशन किसानों को टिकाऊ, लाभकारी व पर्यावरण-अनुकूल खेती से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है।कार्यशाला के अंत में किसानों ने प्राकृतिक खेती अपनाने का संकल्प लिया।

सेवानिवृत्त सैनिक रुहेला ने मुख्यमंत्री पुर्नवास गृह केन्द्र के आवासीय वृद्धजनों को कंबल वितरित की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

समाजसेवी सेवानिवृत्त सैनिक भागीरथ सिंह रुहेला ने मकर संक्रांति पर जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित की। बैरास हाल सीकर निवासी सेवानिवृत्त सैनिक रूहेला ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सीकर द्वारा संचालित मुख्यमंत्री पुर्नवास गृह केन्द्र पर जाकर वहां रह रहे बेघर, वृद्धजनों व निराश्रितों को कंबल वितरित की तथा अन्य जरूरतमंद लोगों को सर्दी से बचाव के लिए कंबल वितरित की।

बाल सेवा सदन के बच्चों को स्वेटर वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

यहां शकुन्तला वाटिका में गुरुवार को लक्ष्मणगढ नागरिक परिषद की कोलकाता स्थित केन्द्रीय इकाई के अध्यक्ष एवं ग्रीन प्लाई समूह के मालिक राजेश मित्तल ने परिषद की ओर से बाल सेवा सदन के 52 स्कूली बच्चों को स्वेटर और गजक वितरित की।

बाल सेवा सदन में जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। इस अवसर पर परिषद के केन्द्रीय अध्यक्ष ने बच्चों से बातचीत की तथा उनसे कहा कि वे अच्छी नीयत और कड़ी मेहनत के साथ आगे बढेंगे तो जीवन के हर लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर सकेंगे। श्रीमती करूणा मित्तल ने भी बच्चों को सम्बोधित किया। प्रारम्भ में परिषद के स्थानीय सचिव निशान्त गोयनका ने मित्तल दम्पति को स्वर्गीय सांवरमल शर्मा द्वारा निर्धन बच्चों के लिए स्थापित बाल सेवा सदन की जानकारी दी तथा परिषद द्वारा संचालित विभिन्न सेवा प्रकल्पों की प्रगति से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन परिषद संरक्षक राजकुमार पारीक ने किया। इस अवसर पर युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील बूबना, अनिल चौधरी, अजय नाहरिया व हितेश शर्मा, बाल सेवा सदन के शिक्षक सहित परिषद कार्मिक भी उपस्थित थे।

किशोरपुरा के भेरुजी मेले में उमड़े हजारों श्रद्धालु

विभिन्न प्रतियोगिताओं में रहे विजेता भामाशाह और सेवा भावी लोगों का किया अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चंवरा।

सुमेर मीणा । किशोरपुरा का प्रसिद्ध भेरुजी महाराज का मकर संक्रांति मेला 14 जनवरी को बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ । मेले में ऊंट दौड़ घूड़ दौड़ ऊंची कूद लंबी कूद कबड्डी जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ । आसपास के गांवों के हजारों भक्तों ने भैरू बाबा के खीर-चूरमा गुलगुला दही की धरीण्डी और शराब का भोग लगाकर मन्नतें मांगी। मेले में दुकानदारों से भी इस बार खूब खरीदारी हुई, छोटे-छोटे बच्चों ने भी झूलों का खास लुफ्त उठाया। वालंटियरों और पुलिस कर्मियों ने व्यवस्थाओं को संभाला। इस बार पार्किंग की व्यवस्था अलग से की गई । मंदिर परिसर में ग्राउंड चौड़ा होने से इस बार ज्यादातर श्रद्धालु टीले पर ही रहें। मेले में भेरुजी महाराज के लाखों रुपए का विकास करने वाले रियासत फाउंडेशन ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमेन सुमेर सैनी के पिता गोकुलप्रशाद सैनी एवं गांव में रोडवेज बस सेवा शुरू करवाने वाले देवेंद्र सिंह शेखावत का सम्मान किया गया। इसके अलावा भेरुजी महाराज मंदिर परिसर में कई तरह के विकास कार्य करवाने वाले सेवाभावी लोगों का तथा भामाशाहों का भी सम्मान किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल होने वाले विजेताओं को मोमेंटो भेंट कर नगद पुरस्कार दिए गये। मेले में कुश्ती दंगल के आयोजन में पहलवानों के

मरुस्थली टीलों में ऊंटों और घोड़ियों ने लगाई दौड़, प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार भामाशाह ओर सेवा भावी लोगों का सम्मान

नगद पुरस्कार की राशि रियासत फाउंडेशन द्वारा दी गई। अन्य प्रतियोगिताओं में विजेताओं को ग्राम प्रशासक द्वारा दी गई। भामाशाहों एवं वॉलंटियरों सहित सेवा भावी लोगों का आदिवासी श्री मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा के द्वारा दुपट्टा उडाकर सम्मान किया गया। मेले में कई दानदाताओं ने भंडारा लगाया। मेले में चोफूल्या चंवरा में सैनिक लाइब्रेरी के पास लगाए जा रहे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। आगामी 6 फरवरी को चंवरा किशोरपुरा के श्री पंचमुखी बालाजी मंदिर पलदूदास अखाड़ा मोरिंडा धाम में होने वाले विराट हिन्दू सम्मेलन में भाग लेने का भी लोगो को न्योता दिया गया। मेले में रहे विजेता लंबी कूद ऊंची कूद में प्रथम रहे अरविंद पोंख और दूसरे स्थान पर भवानी सिंह गुर्जर किशोरपूरा रहे। कबड्डी में प्रथम पोंख ए टीम रही द्वितीय पोंख बी टीम रही । ऊंट दौड़ में रोहिताश ढाका प्रथम रहे द्वितीय मुल्ताराम गुर्जर झेरवा रहा तथा घोड़ी दौड़ में शक्ति सिंह पोंख प्रथम रहे और महेंद्र सिंह कालोटा दूसरे स्थान पर रहे है । मेले में समाज सेवी एवं

आदिवासी श्री मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा,विधायक भगवानाराम सैनी,जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मोहनलाल सैनी,पूर्व सरपंच शिंभु दयाल सैनी, प्रशासक मोहन लाल सैनी, जेपी खटाना, कोच बजरंग पहलवान पोंख, सामाजिक कार्यकर्ता राजेश खटाणा किशोरपुरा, दिनेश गुर्जर पनोरमा स्कूल, व्खाता जेपी खटाणा, धवल कुमार बीछवाल, रामनिवास सैनी, लीलाराम खटाणा, शीशराम खटाणा,पंच महेंद्र खटाणा,रामेश्वर सैनी,गिरदावर जगदीश प्रसाद शर्मा,वासु देव खांडल,लाला शर्मा, विनोद कुमार शर्मा,मुकेश कुमावत, केलाश कुमावत, रामेश्वर माधोगढ़, हरि ओला, भगु राम फौजी,सुरेश सैनी, पंकज मीणा किशोरपुरा, सुभाष धाबाई, गौ रक्षक बंटी, मनोज कसाना,मामराज खटाणा, बाबुलाल धाबाई,मुकेश धाबाई, प्रदीप खटाणा,रुपा खटाणा,सुरेश सैनी,कैलाश मीणा,जीना सैनी,प्रभु मेघवाल, जगदीश सिंह तंवर,सुदर्शन सिंह शेखावत,अजीत सिंह,श्रवण सिंह,समुद्र सिंह शेखावत,श्रीराम मीणा रिंकू मीणा,दलीप खोह,संदीप मीणा,कृष्ण पोंख,मुकेश शर्मा,डॉ संदीप शर्मा, कृष्ण सैन,बंटी सेन गौसेवक,नरसी सैनी,मुकेश गुर्जर छोटूराम खटाणा,दानाराम पोंख गजराज सिंह चंवरा, डॉ. सांवरमल सैनी, भोलाराम जेतपुरा , बजरंग गुर्जर सहित कई लोग मौजूद रहें।

करवर में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर का जन्मदिवस धूमधाम से मनाया, गौशाला में सेवा कार्य

भीम प्रज्ञा न्यूज़.करवर (बूंदी)।

राकेश कुमार बैरवा । राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर का जन्मदिवस करवर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने सेवा कार्य करते हुए सामाजिक सरोकार का संदेश दिया। जन्मदिवस के मौके पर भाजपा कार्यकर्ता श्री कृष्ण बालादेव गौशाला पहुंचे, जहां उन्होंने गौ माता को गुड़ व चारा खिलाकर मंत्री हीरालाल नागर के दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि सेवा और समर्पण के माध्यम से जन्मदिवस मनाना भाजपा की परंपरा है। कार्यक्रम में करवर सरपंच प्रतिनिधि नीरज नागर, किशनलाल मीणा (बूथ अध्यक्ष, अरियाली), पप्पूलाल मीणा (वार्ड पंच), गजेंद्र नागर, रामनारायण गुर्जर (वरिष्ठ भाजपा नेता), मनोज जैन, राजेश सिणोल्या, ऋषिराज गुर्जर, राकेश नागर, प्रेम मेवालिया, आत्माराम नगर, विनोद महावर सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में क्षेत्र में विकास कार्य निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मंत्री के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्री श्याम आयुर्वेदिक प्राकृतिक पंचगव्य निशुल्क चिकित्सा शिविर गोविंदपुरा में आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़

पलसाना। ग्राम गोविंदपुरा में 16 जनवरी को श्री श्याम आयुर्वेदिक प्राकृतिक पंचगव्य निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन होगा। सामाजिक कार्यकर्ता गंगासहाय यादव ने बताया कि वैध श्यामसुंदर पारीक संरक्षक श्री श्याम आयुर्वेदिक प्राकृतिक पंचगव्य चिकित्सा एवं योग केंद्र चिड़ावा व जयपुर द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में आधुनिक एवं प्राचीन चिकित्सा पद्धति के द्वारा विभिन्न रोगों का परामर्श व उपचार दिया जाएगा। प्रातः 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक चलने वाले शिविर में 30 विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उपचार कर करीब 40 प्रमुख आयुर्वेदिक कंपनियां के द्वारा निशुल्क औषधि वितरण की जाएगी।

बनवास के ऋषभ सिंह बने लेफ्टिनेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

केसीसी के सेवानिवृत कर्मचारी जयमल निवासी बनवास का पोत्र ऋषभ सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह का भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयन हुआ है। दादा ने बताया ऋषभ शुरू से ही पढ़ाई में होशियार था शुरू की पढ़ाई कॉपर में करने के बाद माता किरण देवी के साथ जयपुर रहकर

उसकी पढ़ाई में उसका साथ दिया सेना के लेफ्टिनेंट पद पर चयन होने पर घर व गांव में खुशी का माहौल है बनवास गांव में पहला बड़ा अधिकारी बना है लेफ्टिनेंट बनने के बाद बधाई देने वालों का ताता लगा हुआ है ताऊ विजय सिंह, ताई मंजू देवी, भाई यशवीर व अविरक्षु डॉक्टर किशन लाल, कृष्णा सहित अनेक लोगों ने बधाई दी है।

विप्र फाउंडेशन ने प्रतिभावान बालिकाओं को गोल्ड मेडल से किया सम्मानित

बालिकाओं का सम्मान नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा- कमलकांत शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

विप्र फाउंडेशन जिला इकाई के तत्वावधान में जोशियों की कुटिया स्थित बालाजी मंदिर प्रांगण में महिला सशक्तिकरण और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान को बढ़ावा देने हेतु एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें समाज की प्रतिभावान बालिकाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज की होनहार बालिका जाह्नवी पांडे का राजस्थान सरकार द्वारा पद्माक्षी सम्मान किए जाने पर साथ ही अंशु शर्मा को एमएसी फॉरेंसिक साइंस में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा गोल्ड मेडल से सम्मानित किए जाने पर व मोनिका पारीक को ई कॉमर्स डिप्लोमा में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने पर तथा हर्षिता शर्मा को एम.एस.सी.जूलॉजी में श्री राधेरश्याम मोरारका कालेज में टॉपर जैसी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए विप्र फाउंडेशन द्वारा इनका वि फा की कैप, दुपट्टा, माला और गोल्ड मेडल पहनाकर स्वागत सम्मान कर के अभिनंदन पत्र भेंट किया गया। कार्यक्रम व विफा के जिला संयोजक उमाशंकर महमिया ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता विफा के जिलाध्यक्ष कमलकांत शर्मा ने की व विशिष्ट अतिथि के रूप में संरक्षक राजेंद्र जोशी और नरेन्द्र व्यास उपस्थित रहे। जिलाअध्यक्ष कमलकांत शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में बेटियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करते हैं और महिला सशक्तिकरण को नई दिशा प्रदान करते हैं । विप्र

फाउंडेशन बालिका शिक्षा के प्रति संकल्पबद्ध है ।कार्यक्रम का संचालन जिला संगठन महामंत्री राम गोपाल महमिया ने किया जबकि धन्यवाद राकेश सहल ने किया।इस अवसर पर जिला महामंत्री वशिष्ठ शर्मा, तहसील अध्यक्ष अनिल जोशी ,शहर अध्यक्ष अमित पांडे, विकास पुरोहित, पवन पांडे, एडवोकेट नीरज शर्मा, सुभाष जोशी, एडवोकेट रवि शुक्ला, सुरेश तिवाड़ी, प्रदीप सहल, रमाकांत पुरोहित, गोपी पुरोहित, रामगोपाल सहल, सुनील शर्मा बीरमीवाला, श्याम निर्मल, अमृतलाल जोशी, रतनलाल जोशी, अशोक जोशी, ओमप्रकाश पारीक, ओम रतन जोशी , पुजारी शिव प्रकाश जोशी, प्रमोद चोटिया, अनिल जोटिया, चंद्रप्रकाश जोशी, नीतू जोशी, मंजू जोशी, ज्योति शर्मा, किरण शर्मा, निकिता शर्मा, सोनल पांडे, अवनी पांडे, आयुषी शर्मा, अंशु शर्मा। सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे ।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा मुक्ति की दिशा में पुलिस का निरंतर प्रयास

फतेहाबाद व टोहाना में नशा पीड़ितों की पहचान, काउंसलिंग व उपचार की प्रभावी पहल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा मुक्त समाज की दिशा में जिला पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी एवं सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद तथा नशा मुक्ति टीम टोहाना मंडल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाते हुए नशा पीड़ितों को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया गया। नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद ने एसआई सुंदर के कुशल नेतृत्व में शहर फतेहाबाद के अशोक नगर व भाटिया कॉलोनी के गली-चौराहों में आमजन से संवाद कर नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान 04 नशा पीड़ितों को चिन्हित किया गया। टीम द्वारा सभी पीड़ितों की काउंसलिंग करने उपरांत उन्हें नागरिक अस्पताल फतेहाबाद से आवश्यक दवाइयां दिलवाई गईं। इसके अतिरिक्त अस्पताल में भर्ती नशा पीड़ितों का हाल-चाल जाना गया तथा उन्हें नशा छोड़ने के लिए मानसिक रूप से प्रोत्साहित किया गया। वहीं दूसरी ओर, नशा मुक्ति टीम टोहाना द्वारा सहायक उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के कुशल नेतृत्व में अभियान के तहत टोहाना स्थित मानव सेवा संगम अस्पताल में नशा मुक्ति कैंप लगाया गया। इस कैंप में राजनगर इंदिरा कॉलोनी के 06 नशा पीड़ितों ने अपना उपचार शुरू करवाया। इसके साथ ही पूर्व में चिन्हित नशा पीड़ितों से भी भेंट कर उनका हाल-चाल

जाना गया, जिनमें से कुछ में सकारात्मक सुधार पाया गया। इस दौरान दो नशा पीड़ितों ने पूरी तरह नशा छोड़ने का दावा किया।अभियान के दौरान सभी नशा पीड़ितों को नियमित रूप से इलाज जारी रखने, सकारात्मक सोच अपनाने तथा परिवार एवं समाज के सहयोग से नशा मुक्त जीवन की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर वार्ड नंबर-2 के एमसी रोशन लाल भी उपस्थित रहे, जिन्होंने अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। जिला पुलिस द्वारा ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा पीड़ितों की पहचान, काउंसलिंग एवं उपचार की यह मुहिम आगे भी निरंतर जारी रहेगी, ताकि अधिक से अधिक लोगों को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित किया जा सके।

हिसार के आदमपुर हल्के के विधायक चंद्रप्रकाश ने पूर्व राज्यसभा सांसद रामजीलाल को अर्पित की पुष्पांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हिसार।

रजत विजय रंगा । विधायक चंद्रप्रकाश ने पूर्व राज्यसभा सांसद स्वर्गीय पंडित रामजीलाल की पांचवीं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित करके उनके द्वारा किए गए जनहित के कार्यों को याद किया। बालसमंद रोड पर स्थित विश्वकर्मा कॉलोनी में आयोजित पुष्पांजलि के दौरान विधायक चंद्रप्रकाश के पारिवारिक सदस्य एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान अपने चाचा स्वर्गीय रामजीलाल जी को श्रद्धासुमन अर्पित करके विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि सरपंच बनकर राजनीतिक यात्रा शुरू करने वाले रामजीलाल जी ने कांग्रेस कार्यकाल में विभिन्न विभागों के चेयरमैन के पद को

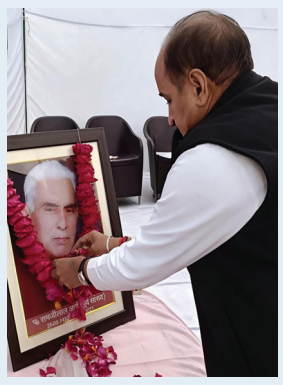

सुशोभित करते हुए हमेशा जनकल्याण के कार्य किए। उन्होंने 36 बिरादरी में भाईचारे को मजबूत करते हुए कांग्रेस पार्टी की नीतियां व विचारधारा जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

साइबर अपराध व नशा मुक्ति को लेकर टैक्सी ड्राइवरों को किया गया जागरूक

टैक्सी स्टैंड फतेहाबाद पर पुलिस ने चलाया विशेष जन-जागरूकता अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत साइबर अपराधों की रोकथाम, डिजिटल सुरक्षा एवं नशा मुक्ति को लेकर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में थाना साइबर सेल फतेहाबाद में तैनात महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा टैक्सी स्टैंड फतेहाबाद पर टैक्सी ड्राइवरों के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान टैक्सी चालकों को साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों, ऑनलाइन ठगी के नए तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने बताया कि फर्जी कॉल, ओटीपी फ्रॉड, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया हैकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़ी ठगी के मामलों में सतर्कता बेहद आवश्यक है। टैक्सी ड्राइवरों को समझाया गया कि किसी भी अनजान कॉल, संदेश या लिंक पर भरोसा न करें और अपनी निजी जानकारी, बैंक विवरण या ओटीपी किसी के साथ साझा न करें।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने झुग्गी झोपड़ियां बस्ती में तिल के लड्डू बांटकर मनाई मकर संक्रांति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट सिंघाना द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर झुग्गी झोपड़ियां में रहने वाले परिवारों के संग तिल के लड्डू बांटकर त्योहार को मनाया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेश बागड़ी रहे विशिष्ट अतिथि मुन्ना राजोरा रहे ट्रस्ट प्रभारी नरेंद्र स्वामी ने बताया लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट जरूरतमंदों के बीच जाकर सामाजिक त्योहार उनके साथ मनाने की परंपरा रही है दीपावली होली या फिर अन्य त्यौहार हो उन पर ट्रस्ट के कार्यकर्ता पहुंचकर त्योहार उनके साथ मनाते हैं मकर संक्रांति का त्यौहार भी ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने तिल के लड्डू

बांटकर उनके संग खुशियां मनाई गई ट्रस्ट के कार्यकर्ता जब तिल के लड्डू लेकर झुग्गी झोपड़ियां के परिवारों के पास पहुंचे तो उनके बच्चों की खुशियां ही अलग थी उन्होंने नाच कर खुशियां मनाई गई महिला व पुरुषों ने ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया इसी प्रकार हायर सेकेंडरी स्कूल के पास लोहार बस्ती की महिला पुरुषों व बच्चों को भी तिल के लड्डू बांटे गए लोकसभा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का भी कार्य करता है तथा दिव्यांगों की योजनाओं को भी उन तक पहुंचाता है ठंड के मौसम में झुग्गी झोपड़िया में रहने वालों को कंबल भी वितरित की गई थी।

बाछौला ग्राम पंचायत के भट्टों के नया गांव में गोवंश तस्करी की घटना को लेकर उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़ नैनवां बूंदी।

राकेश कुमार बैरवा । बुधवार की रात्रि को बाछौला के पास भट्टटो का नया गांव में गो वंश से भरा एक कंटेनर पकड़ा गया। आरोपी कंटेनर को छोड़कर घटना स्थल से फरार हो गए थे। कंटेनर में कुल 21 गो वंश थे उनमें से 1 गाय की मौत हो चुकी थी, इस घटना को लेकर आज विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व द्वारा गोवंश की अवैध तस्करी की जा रही थी , इस गंभीर एवं निंदनीय घटना की जानकारी ग्रामीणों द्वारा तत्काल पुलिस प्रशासन को दी गई परंतु इसके बावजूद पुलिस काफी विलंब से मौके पर पहुंची दुर्भाग्य वंश घटना को घटित हुई पर्याप्त समय दिए जाने के बाद भी आरोपीयों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल

के कार्यकर्ताओं ने कहा है कि यदि सात दिवस के अंदर-अंदर उक्त घटना में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई है तो समस्त ग्राम वासियों द्वारा उग्र आंदोलन प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन के दौरान लक्की चोपड़ा, पवन गौतम (VHP प्रखण्ड मन्त्री), सजय नागर (विश्व हिंदू परिषद जिला मंत्री बूंदी) , पारस जांगीड़, सीताराम गुर्जर (प्रखण्ड सह संयोजक) इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

सेवानिवृत्त चिकित्सा कर्मचारी शीला त्यागी ने बागरिया बस्तियों के बच्चों के साथ मनाई मकर संक्रांति

भीम प्रज्ञा न्यूज़ लाखेरी बूंदी।

विष्णु प्रसाद बैरवा । सेवानिवृत्त चिकित्सा कर्मचारी शीला त्यागी ने आज स्टेशन पर बागरियों की बस्ती में जा कर बच्चों के साथ मकर संक्रांति का त्यौहार मनाया गया, साथ ही उनको तिल की रेवड़ियां खिलाकर बच्चों को ओर पढ़ने की ओर प्रोत्साहित किया । कई वर्षों से चिकित्सा कर्मचारी शीला उनके साथ त्यौहार मना रही हैं । चिकित्सा अधिकारी के प्रयासों से इन बस्तियों के 15 बच्चे राजकीय विद्यालय तथा 2 बच्चे इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ने जाने लगे हैं। सभी महिलाओं को बाल विवाह व बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने तथा बच्चों को संतुलित आहार देने के लिए प्रेरित किया गया , जिससे की बच्चे कुपोषण के

शिकार होने से बच सकें। शिक्षा के अनुपात को अधिक बढ़ाने की ओर प्रेरित किया गया एवं संविधान को जानने हेतु प्रेरित करते हुए बताया की समानता , न्याय, समता, एकता, अखंडता व संप्रभुता को ध्यान में रखकर बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के विचारों को जीवन में आत्मसात करने की सलाह दी गई जिससे कि मौलिक कर्तव्य बिंदु संख्या आठ में उल्लेखित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाकर समुदाय में फैले रूढ़िवादी परंपराएं अंधविश्वास , कर्मकांड, पाखंडवाद का उन्मूलन कर सटीक दिशा प्रधान की जा सकें। समुदाय की जागृति हेतु सभी को आगे आना चाहिए। देश के प्रति समर्पण का भाव तथा सभी स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए तमाम क्रांतिकारियों तथा समाज सुधारक महापुरुषों के विचारों को आत्मसात कर देश हित में सेवा करना चाहिए। इस मौके पर धनराज मरमट, द्रौपदी बाई, श्यामा बाई आदि उपस्थित रहें।

नरेगा संविदा भर्ती 2024: झुंझुनूं में 85 अभ्यर्थियों का होगा दस्तावेज सत्यापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के तहत कनिष्ठ तकनीकी सहायक एवं लेखा सहायक संविदा भर्ती 2024 में चयनित अभ्यर्थियों को झुन्झुनूं जिला आवंटन किया गया है। झुंझुनूं को आवंटित कुल 72 कनिष्ठ तकनीकी सहायकों एवं 13 लेखा सहायकों के दस्तावेज सत्यापन दिनाक 20.01.2026 एवं 21.01.2026 को किया जायेगा, जिसका आदेश DOITC की वेबसाईट https//jhunjhunu.rajasthan.gov.in / पर देख सकते है!

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चन्द्र यादव ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन दिनांक 20 एवं 21 जनवरी को किया जाएगा। वहीं निर्धारित तिथियों पर अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों के लिए दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया दिनांक 22 जनवरी को आयोजित की जाएगी। दस्तावेज सत्यापन का समय प्रातः 11 बजे से सायं 05 बजे तक निर्धारित किया गया है। सभी आवंटित 72 कनिष्ठ तकनीकी सहायक एवं 13 लेखा सहायक अभ्यर्थियों को अपने मूल दस्तावेजों के साथ पुलिस सत्यापन रिपोर्ट, स्वास्थ्य प्रमाण पत्र, उत्कृष्ट खिलाड़ी एवं दिव्यांगजन से संबंधित आदि वैध प्रमाण पत्रों की दो स्वप्रमाणित प्रतियां के साथ निर्धारित तिथि को जिला परिषद (गा.वि.प्र.) में उपस्थित होना है।

जरूरतमंद परिवारों की सहायता करना पुण्य का कार्य- मेहरड़ा

मकर संक्रांति पर जरूरतमंद परिवारों को गर्म कंबल व कपड़े वितरण किए गए

भीम प्रज्ञा न्यूज़.विराटनगर।

मकर संक्रांति पर विराट नगर निवासी बनवारी लाल मेहरड़ा वरिष्ठ समाजसेवी की ओर से एवं सनशाइन होफ समिति- जयपुर की समाजसेवीका सिमरन चौधरी की ओर से दिल्ली दरवाजा-विराटनगर में जरूरतमंद परिवारों को गर्म कंबल एवं पहनने हेतु कपड़े वितरण किए गए। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी बीएल मेहरड़ा ने कहा कि हमें हमेशा गरीबों,बेसहारा व जरूरतमंद

परिवारों की हर संभव मदद करनी चाहिए। सहायता करने से घर परिवार में किसी प्रकार की कमी महसूस नहीं होती है और मन को शांति मिलती है ! जरूरतमंद परिवारों की सहायता करना पुण्य का कार्य है। मनुष्य जीवन एक बार ही मिलता है सो इसमें जितनी भी हो सके हमें गरीबों, बेसहारा व जरूरतमंद परिवारों की हर संभव मदद करनी चाहिए जिससे इन परिवारों के घरों में भी खुशीया आ सके और उनकी जरूरतमंद कमियां पूरी हो सकें। इस अवसर पर अनेक गणमान्य पुरुष व महिलाएं उपस्थित रही, सभी ने इस नेक कार्य की प्रशंसा की और बधाई दी।

.

पीएम श्री विद्यालय बुहाना में अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संवाद, सेमीकंडक्टर तकनीक से रूबरू हुए विद्यार्थी

भीम प्रज्ञा न्यूज़ बुहाना।

पीएम श्री योजना के अंतर्गत चयनित श्रीमती चमेली देवी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम), बुहाना में गुरुवार 15 जनवरी को सेमीकंडक्टर तकनीक और स्वच्छ कक्ष प्रणाली पर केंद्रित एक अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल शैक्षणिक संवाद का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों को आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और भविष्य की वैश्विक संभावनाओं से परिचित कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अमेरिका स्थित इलिनॉय विश्वविद्यालय की स्वच्छ कक्ष प्रयोगशाला से जुड़े अनुसंधान वैज्ञानिक रणवीर सिंह रहे, जिन्होंने सेमीकंडक्टर उपकरण निर्माण की प्रक्रिया, स्वच्छ कक्ष वातावरण की आवश्यकता तथा भारत में इस क्षेत्र की अपार संभावनाओं पर सरल एवं रोचक ढंग से जानकारी

दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग की सभी उन्नत तकनीकों की आधारशिला सेमीकंडक्टर है और इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता भारत के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक दिनेश कुमार बरवड़ ने किया। उन्होंने बताया कि इस वैज्ञानिक संवाद से बुहाना ब्लॉक के लगभग 30 विद्यालय जुड़े और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों व शिक्षकों ने लाभ प्राप्त किया। आयोजन में शिक्षक अभिषेक, संजीत सिंह, सरिता, मोनिता, मंजू और पवन बरवड़ की सक्रिय सहभागिता रही। तकनीकी संचालन में प्रीतम सिंह और अश्वनी कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जबकि बैठक व्यवस्था का दायित्व सत्यपाल सिंह ने संभाला। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य बलवान सिंह ने मुख्य वक्ता, सभी सहभागी विद्यालयों, शिक्षकगण और तकनीकी टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शैक्षणिक आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार की भावना और राष्ट्र निर्माण की सोच को सुदृढ़ करते हैं। विद्यालय परिवार ने विश्वास जताया कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगा।

एनसीओआरडी मंच पर नशा उन्मूलन की नई रणनीति तय, प्रशासन, पुलिस और समाज ने कसा शिकंजा

एसपी व कार्यवाहक उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई व्यापक समीक्षा बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिले को नशा मुक्त बनाने की दिशा में ठोस और समन्वित प्रयासों को गति देने के उद्देश्य से आज जिला सचिवालय में एनसीओआरडी के अंतर्गत महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस व कार्यवाहक उपायुक्त अनुराग ढालिया ने संयुक्त रूप से की। बैठक में चर्चा का केंद्र नशे की रोकथाम, अवैध सप्लाई पर नियंत्रण, उपचार, पुनर्वास और जन-जागरूकता को और अधिक प्रभावी बनाना रहा। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने कहा कि एनसीओआरडी एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां प्रशासन, पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज मिलकर नशे के खिलाफ साझा रणनीति तैयार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि नशा केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक चुनौती है, जिसका समाधान सामूहिक

प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने बैठक में नशा तस्करी के खिलाफ पुलिस की रणनीति को स्पष्ट करते हुए बताया कि जिले में हॉटस्पॉट क्षेत्रों की पहचान, नेटवर्क तोड़ने, खुफिया सूचनाओं को मजबूत करने और त्वरित कार्रवाई पर विशेष फोकस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नशे की जड़ तक पहुंचने के लिए पुलिस हर स्तर पर सख्त और निरंतर कार्रवाई कर रही है। एसपी ने ड्रग इंस्पेक्टरों को निर्देश दिए कि मेडिकल दुकानों की जांच को और सघन किया जाए तथा अनियमितता मिलने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित हो। बैठक में जिला रेडक्रॉस सोसायटी को भी अधिक से अधिक नशा-पीड़ित युवाओं का उपचार, काउंसलिंग और केयर सपोर्ट से जोड़ने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि नशा उन्मूलन एक निरंतर प्रक्रिया है, जिसमें हर विभाग और हर नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि फतेहाबाद को नशा मुक्त जिला बनाना हमारा साझा संकल्प है और इसके लिए पुलिस, प्रशासन और समाज मिलकर हर आवश्यक कदम उठाएंगे। बैठक में शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों व कॉलेजों में चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि प्रत्येक विद्यालय में नियमित एंटी-ड्रग सत्र आयोजित हों। इसके साथ ही अभिभावकों की सहभागिता बढ़ाई जाए। पुलिस व नशा मुक्ति टीमें शैक्षणिक संस्थानों से निरंतर जुड़ी रहें। बैठक के दौरान जिला की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने जमीनी स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी, जबकि मीडिया प्रतिनिधियों ने अभियान को पंचायत और वार्ड स्तर तक ले जाने के सुझाव दिए। प्रशासन ने समाज और मीडिया की इस सक्रिय भूमिका की सराहना की।

स्नेह मिलन समारोह व सम्मान समारोह का आयोजन हुआ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । विलियंट पब्लिक स्कूल की ओर से स्नेह मिलन समारोह व सम्मान समारोह का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री बीड़ी कल्ला व विशिष्ट अतिथि मदन गोपाल मेघवाल जिला अध्यक्ष शहर कांग्रेस ,पूर्व जिला प्रमुख सुशीला शिवर,पूर्व महापौर मकसूद अहमद, पूर्व उप महापौर हारून राठौड़, गुलाम मुस्तफा कॉग्रेस वरिष्ठ नेता मौजूद रहें। गोविंद सिंह चौधरी ,प्रहलाद सिंह चौधरी रमनदीप चौधरी, हसन अली गौरी के द्वारा सभी अतिथियों का साफा व स्मृति चिन्ह से सम्मान किया गया, स्कूल के बच्चों द्वारा

अतिथियों का भव्य तरीके से स्वागत किया गया इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी। स्कूल की डायरेक्टर रमनदीप चौधरी ने बताया कि सम्मान समारोह में अकबर खादी,हरिराम चौधरी , सतु खां पड़िहार ,भवँर लाल कुकणा,शशि कला राठौड़ ,उमा सुथार, शांति बेनीवाल ,शबनम बानो ,नवनीत कौर ,डॉक्टर जियाउल्लाह गोरी, शिक्षा सारण, मधु गेधर , प्रफुल्ल हटीला, ओमप्रकाष सेन ,आजम अली ,शब्बीर अहमद,सिकन्दर राठौड़ ,रिजवान खन्ना, मेघराज सुथार,रमेश गहलोत,मनीराम कुकणा, मुकेश जोशी,मेघराज सुथार, भागीरथ सुथार रामकिशन कूकना ,ओम प्रकाश शर्मा, बाबूलाल गेधर, दामोदर जाखड़ व समस्त स्कूल स्टाफ मौजूद रहा। डायरेक्टर रमनदीप चौधरी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया

अंडर-19 वर्ल्ड कप : भारत की जीत के साथ शुरूआत, अमेरिका को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के खिलाफ आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में भारत ने जीत के साथ शुरूआत की है। बुलावेयो के क्रीस स्पोर्ट्स क्लब में वर्षा प्रभावित मैच में भारत ने अमेरिका को 6 विकेट से हराया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और हेनिल पटेल के पारी में 5 विकेट की बदौलत भारत ने अमेरिका की 107 रन पर ढेर कर दिया। अमेरिका की तरफ से नितीश सुदिनी ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी गेंदबाजी की और एक विकेट झटका। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 53 रन बना लिए हैं।

इसके जवाब में उतरी भारतीय टीम ने खराब शुरुआत की क्योंकि वैभव सूर्यवंशी मात्र 2 रन पर बोल्ड हो गए। इसके बाद बारिश आ गई जिस कारण मैच को रोक दिया गया। भारत का औसत शानदार था जिस कारण कुछ देर के बाद जब बारिश रूकी तो ओवर कम करके लक्ष्य 96 का कर दिया गया। कप्तान आयुश महात्रे और वेदांत त्रिवेदी टिकने की कोशिश में थे कि त्रिवेदी (2) आउट हो गए। इसके बाद विहान मल्होत्रा क्रीज पर आए। लेकिन टीम का स्कोर 25 था जब कप्तान महात्रे (19) आउट हो गए। इसके बाद मल्होत्रा और अभिज्ञान कुंडू के बीच 45 रन की साझेदारी हुई। टीम का स्कोर 70 था जब मल्होत्रा (18) आउट हो गए और कुंडू (42) कनिष्क चौहान (10) के साथ जीत दर्ज कर वापस लौटे।

इंडिया ओपन: लक्ष्य ने केंटा को सीधे मैचों में हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टॉप रैंक वाले पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए जापान के निशिमोटो केंटा को हराया। पेरिस ओलंपिक के सेमी फाइनलिस्ट लक्ष्य सेन पहले गेम में शुरुआत में थोड़ा घबरा गए और पीछे हो गए लेकिन बाद में उन्होंने लय पकड़ी और आखिर में शानदार जीत हासिल की।

पहले गेम में 14-18 से पीछे होने के बाद लक्ष्य ने वापसी करते हुए पहला गेम 21-19 से जीत लिया। एक बार जब उन्होंने लय पकड़ ली, तो दुनिया के नंबर 13 खिलाड़ी ने दूसरा गेम 21-10 से जीत लिया। क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य एकमात्र भारतीय एकल खिलाड़ी होंगे। इससे पहले भारत की उम्मीद एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार कर बाहर हो गए। प्रणय को आठवीं सीड सिंगापुर के लोह कीन यियू ने 18-21, 21-19, 21-14 से हराया। प्रणय पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पाये और अगले दो गेम हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। श्रीकांत को पांचवीं सीड फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-14, 17-21, 21-17 से हराया। पूर्व नंबर एक श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में संघर्ष दिखाते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक गेम हारकर वह भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

टी20 विश्वकप को देखते हुए फिटनेस हासिल करने में लगे हैं हेजलवुड

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड अगले माह होने वाले टी20 विश्कप को देखते हुए फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। हेजलवुड को 7 फरवरी से होने वाले विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने का फैसला फिट होने पर ही लिया जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्वकप में अपना अभियान 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी। हेजलवुड टीम के प्रमुख गेंदबाजों में शामिल हैं, ऐसे में टीम को उनके फिट होने का इंतजार है। हेजलवुड ने हाल ही में एशेज सीरीज में काफी अच्छी गेंदबाजी की थी पर अब उन्हें ब्रेक मिला हुआ है। इसी कारण वह बिग बैश लीग (बीबीएल) से भी बाहर हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि आजकल वह अपनी गेंदबाजी, रनिंग और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग पर काम कर रहे हैं और ट्रैक पर वापस आने को लेकर सकारात्मक हैं। हेज़लवुड ने कहा, सब कुछ प्लान के हिसाब से चल रहा है। पिछले हफ़्ते मैंने हाफ-रन से कुछ गेंदबाजी की। रनिंग अच्छी चल रही है, स्ट्रेंथ की सभी चीजें अच्छी चल रही हैं, तो हां, सब ट्रैक पर है। हेजलवुड का मानना है कि इस सत्र में लगातार फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण उनके लिए अपने शरीर को लय में बनाये रखना एक चुनौती रही है। इस सीजन में लगातार चोटों के बारे में हेजलवुड ने कहा, कभी-कभी, जब एक चीज ठीक होती है, तो दूसरी सामने आ जाती है। मुझे लगता है कि जब आप फिर से अभ्यास शुरू करते हैं, तो कभी-कभी आपके शरीर को रुकना और फिर से शुरू करना पसंद नहीं आता। इसलिए अब वह इन परेशानियों पर ज़्यादा ध्यान नहीं दे रहे।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया

-बीच के ओवरों में नहीं निकाल पाये विकेट

राजकोट(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में 7 विकेट से हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया और कहा कि वे बीच के ओवरों में विकेट नहीं ले पाये। वहीं न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल की शतकीय पारी 131 रनों की सहायता से ये मुकाबला आसानी से जीत लिया। कीवी टीम ने जीत के लिए मिले 285 रनों के लक्ष्य को 47.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। शुभमन ने कहा, 'हम बीच के ओवरों में कोई विकेट नहीं ले पाये। साथ ही कहा कि अगर आप 5 फील्डर अंदर होने के बाद भी बीच के ओवरों में विकेट नहीं निकाल पाते हैं तो काफी कठिन स्थिति हो जाती है। ऐसे में अगर हमने कुछ अधिक रन भी बनाये होते तो भी हम अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाते। किसी भी टीम को रोकने के लिए विकेट लेना जरुरी होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो जीत दर्ज करना संभाव नहीं होता।' उन्होंने कहा कि हमने मेहमान टीम को एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया था। पहले 10 ओवरों में हमारी गेंदबाजी कसी हुई थी पर बाद में हम उसे बरकारार नहीं रख पाये। हम विरोधी टीम पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे थे पर सफल नहीं हुए। इसके अलावा जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, बल्लेबाजी आसान होती गई जिसका भी लाभ् मेहमान टीम को मिला। इसका कारण है कि विकेट अच्छी तरह से जम गया था. मुझे लगता है कि हमें बीच के के ओवरों में हमें जोखिम लेते हुए आक्रामक गेंदबाजी करनी चाहिये थी।'इसके अलावा कप्तान ने टीम की कमजोर फील्डिंग को भी हार के लिए जिम्मेदार माना है। उन्होंने कहा कि हमने कई अवसर खोये अगर ऐसा नहीं होतो तो परिणाम कुछ और होता।

वोलवार्ड्ट को मिला दिसंबर महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

दुबई । दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लौरा वोलवार्ड्ट को दिसंबर 2025 में किये अच्छे प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया गया है। वोल्वार्ड्ट ने इस अवार्ड की दौड़ में साथी सुने लुस और भारत की शैफाली वर्मा को भी पीछे छोड़ा। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में वोलवार्ड्ट ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। उन्होंने इसके अलावा एक महीने में सभी फॉर्मेट में तीन शतक लगाकर साल का समापन किया था। वोलवार्ड्ट ने पहले टी20 में 205.35 के शानदार स्ट्राइक रेट से नाबाद 115 रन बनाए जिसमें 15 चौके और चार छक्के शामिल थे। इसके बाद एकदिवसीय सीरीज में भी उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने लगातार दो शतक लगाए जिसमें दूसरे एकदिवसयीय में 111 गेंदों में 124 रन और आखिरी मैच में नाबाद 100 रन थे । वोलवार्ड्ट ने तीनों एकदिवसीय में 127.50 के शानदार औसत और 111.84 के स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए। वहीं टी20 सीरीज में उन्होंने 190.27 के शानदार स्ट्राइक रेट से 137 रन बनाए और सिर्फ एक बार आउट हुईं। यह वोलवार्ड्ट का दूसरा प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड है, उन्होंने इससे पहले अक्टूबर 2025 में यह अवॉर्ड जीता था। अवार्ड दूसरी बार मिलने पर इस खिलाड़ी ने खुशी जताई है। साथ ही कहा कि अब उनका ध्यान टी20 विश्वकप पर रहेगा।

प्रणय और श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में हारे

नई दिलली । भारत की उम्मीद एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार कर बाहर हो गए। प्रणय को आठवीं सीड सिंगापुर के लोह कीन यियू ने 18-21, 21-19, 21-14 से हराया। प्रणय पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पाये और अगले दो गेम हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। श्रीकांत को पांचवीं सीड फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-14, 17-21, 21-17 से हराया। पूर्व नंबर एक श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में संघर्ष दिखाते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक गेम हारकर वह भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इस बीच महिला एकल में मालविका बंसोड़ को भी हार का सामना करना पड़ा। बंसोड़ को पांचवीं सीड हान युई ने 21-18, 21-15 से हराया। महिला एकल में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद पीवी सिंधु बुधवार को पहले ही दौर में बाहर हो गई थी।

सिराज रणजी ट्रॉफी के बचे हुए मुकाबलों में हैदराबाद की कप्तानी करेंगे

मुम्बई । तिलक वर्मा की जगह पर मोहम्मद सिराज को रणजी ट्रॉफी के बचे मुकाबलों के लिए हैदराबाद का कप्तान बनाया गया है। हैदराबाद की टीम को इस सत्र के अपने बचे हुए दो मैचों में 22 और 29 जनवरी को अपने घरेलू मैदान पर मुंबई और छत्तीसगढ़ से खेलना है। वहीं शुरुआती सत्र में कप्तान रहे तिलक को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए शामिल किया गया है। इसी कारण उनकी जगह सिराज को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। तिलक हालांकि सजरी के कारण पहले तीन टी20 मैचों से बाहर रहेंगे। सिराज को पहली बार कप्तानी दी गयी है। सिराज मुंबई के खिलाफ बतौर कप्तान अपना डेब्यू मैच खेलेंगे। इससे पहले वह राष्ट्रीय टीम में होने केारण उपलब्ध नहीं थे। चयन समिति ने कहा, हमने सिराज बात की है और वह बाकी सत्र के लिए उपलब्ध हैं। वह एक फाइटर हैं और हमेशा जीतना चाहते हैं, और हमें भरोसा है कि इसका असर दूसरों पर भी पड़ेगा। हाल में विजया हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले अमन राव पेराला को भी टीम में शामिल किया गया है।

हैदराबाद की टीम : मोहम्मद सिराज (कप्तान), जी राहुल सिंह (उप कप्तान), सीवी मिलिंद, तनय त्यागराजन, के रोहित रायुडू, के हिमातेजा, ए वरुण गौड़, एम अभिरथ रेड्डी, राहुल रादेश (विकेटकीपर), अमन राव पेराला, सीटीएल रक्षण रेडी, एन नितिन साई यादव, कनाला नितेश रेड्डी, साई प्रगनय रेड्डी (विकेटकीपर) और बी पुन्नैया।

स्टैंडबाय : मिकिल जयसवाल, ए अवनीश राव (विकेटकीपर), कार्तिकेय काक, प्रणव वर्मा और पी नीतीश रेड्डी।

विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में आज होगा पंजाब और सौराष्ट्र का मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। पंजाब की टीम शुक्रवार को विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट 2025-26 के सेमीफाइनल में सौराष्ट्र से खेलेगी। मुंबई के खिलाफ मैच में मिली जीत से पंजाब की टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। जिससे अब उनका लक्ष्य इस मैच को जीतकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाना रहेगा। जैसी मजबूत घरेलू टीम के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में एक रन की रोमांचक जीत के बाद पंजाब का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। वहीं इससे पहले क्वार्टरफाइनल में उसने मध्य प्रदेश को आसानी से हराया था।

इस मैच में कप्तान अभिषेक शर्मा के नहीं होने से प्रभुसिमरन सिंह टीम की कप्तानी करेंगे। क्वार्टरफाइनल में प्रभुसिमरन, अनमोलप्रीत सिंह और नेहाल वढेरा ने अर्धशतक लगाये थे जिससे तय है कि ये खिलाड़ी अच्छी लय में है। ऐसे में टीम को इनसे सेमीफाइनल में भी बड़े स्कोर की उम्मीद रहेगी। इन बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सौराष्ट्र के गेंदबाजों के लिए काफी कठिन रहेगा। वहीं गेंदबाजी में भी पंजाब का आक्रमण अच्छा है। उसके पास तेज गेंदबाज गुरनूर बरार के अलावा तेज गेंदबाज संवीर सिंह भी है। इन दोनो का अब तक का प्रदर्शन अच्छा रहा है।

वहीं सौराष्ट्र की टीम की उम्मीदें सलामी बल्लेबाज हरविक देसाई पर रहेंगी। इस सत्र में उन्होंने तीन शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं और टीम की बल्लेबाजी उनपर आधारित है। उसने पिछले मैच में उत्तर प्रदेश को हराया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके पास तेज गेंदबाज के तौर पर चेतन साकारिया हैं, जिन्होंने लगातार पिछले तीन मैचों में तीन-तीन विकेट लिए हैं। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज चिराग जानी भी अहम भूमिका निभा सकते है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सौराष्ट्र: रुचित आहिर, पार्थ भूट, युवराज चूड़सामा, हरविक देसाई, सम्मर गज्जर, अंश गोसाई, विश्वराज जडेजा, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, चिराग जानी, जय गोहिल, हितेन कंबी, प्रणव करिया, हेत्विक कोटक, प्रेरक मांकड़, अंकुर पंवार, पारस्वराज राणा, चेतन साकारिया, तरंग गोहिल

पंजाब: अभिषेक शर्मा, अनमोलप्रीत सिंह, सलील अरोड़ा, अर्शदीप सिंह, सुखदीप सिंह बाजवा, गौरव चौधरी, गुरनूर ब्रार, हरनूर सिंह, हरप्रीत ब्रार, जशनप्रीत सिंह, कृष्ण भगत, नामन धीर, प्रब्सिमरन सिंह, रमणदीप सिंह, उदय सहारण, संवीर सिंह, रघु शर्मा, शुभमन गिल।

19 साल की कनाडाई खिलाड़ी म्बोको ने मेडिसन कीज को हराया

एडिलेड । 19 साल की कनाडाई खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको ने गुरुवार को एडिलेड इंटरनेशनल में मैडिसन कीज के टाइटल डिफेंस को 6-4, 4-6, 6-2 से हराकर खत्म कर दिया। यह इस हफ्ते डब्ल्यूटीए 500 इवेंट में खेले गए उतने ही मैचों में उनकी तीसरी तीन-सेट वाली जीत थी। एक सेट और एक ब्रेक से आगे होने के बाद, कीज के खिलाफ म्बोको के लिए चीजें मुश्किल हो गईं जिन्होंने 2022 में एडिलेड से एक ट्रॉफी भी जीती थी। लेकिन मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन आखिरी सेट में थक गईं और म्बोको ने आखिरकार 1 घंटे और 53 मिनट में अपने छोटे से करियर की दूसरी टॉप 10 जीत हासिल की। कनाडाई खिलाड़ी ने कीज के आखिरी सेट की शुरुआत में सर्व होल्ड करने के बाद लगातार पांच गेम जीते और जीत हासिल की। उन्हें डिफेंडिंग चैंपियन के उतार-चढ़ाव वाले प्रदर्शन का फायदा मिला, जिन्होंने कुल 41 अनफोर्स्ड एरर किए और - नौ ऐस मारने के बावजूद - 12 ब्रेक पॉइंट का सामना किया और छह बार सर्व गंवाई। म्बोको ने बाद में कहा, 'मुझे पता है कि उसने पिछले साल यह टूर्नामेंट जीता था, और बेशक, ऑस्ट्रेलियन ओपन भी, और मुझे इस मैच में आने से पहले पता था कि यह एक बड़ी लड़ाई होगी।' आठवीं सीड अब सेमीफाइनल में पसंदीदा स्थिति में होंगी क्योंकि वह डब्ल्यूटीए टूर पर अपने तीसरे करियर फाइनल की तलाश में हैं जो सभी पिछले अगस्त में मॉन्ट्रियल में अपने घरेलू मैदान पर डब्ल्यूटीए 1000 टाइटल जीतने के बाद से आए हैं। उस टूर्नामेंट के पहले राउंड में, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की किम्बर्ली बिररेल को हराया था और यह जोड़ी इस बार फिर खेलेगी, जिसमें बिना सीड वाली बिररेल को अब घरेलू दर्शकों का फायदा मिलेगा। 27 साल की गोल्ड कोस्ट की रहने वाली खिलाड़ी ने अपने करियर में पहली बार डब्ल्यूटीए 500-लेवल के सेमीफाइनल में जगह बनाई, जिसमें उन्होंने तीन सेट में जीत हासिल की - रोमानिया की जैकलिन क्रिस्टियन के खिलाफ 5-7 6-1, 7-5 का एक शानदार मैच जो 3 घंटे और 4 मिनट तक चला।

खिलाड़ियों के विरोध के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक नजमुल हटाये गये

ढाका (एजेंसी)। खिलाड़ियों के भारी विरोध को देखते हुए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक एम नजमुल इस्लाम को पद से हटा दिया गया है। नजमुल से खिलाड़ी बेहद नाराज थे और उन्होंने धमकी दी थी कि अगर नजमुल नहीं हटाये गये तो वे हड़ताल कर देंगे। खिलाड़ियों ने नजमुल के बयानों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा था कि उन्होंने हद पार कर दी है। लिया है।

क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश ने नजमुल इस्लाम के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देते हैं, तो खिलाड़ी सभी प्रारुपों का बहिष्कार करेंगे। खिलाड़ी इसलिए नाराज थे क्योंकि नजमुल ने पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को भारतीय एजेंट कहा था। खिलाड़ियों ने इसे अपना अपमान बताया। इस मामले को सुलझाने के लिए एसोसिएशन और बीसीबी के अधिकारियों के बीच बातचीत भी हुई पर कोई हल नहीं निकला। खिलाड़ियों ने अपने फैसले पर बरकरार रहते हुए तय समय से कई घंटे पहले तक मैदान पर न आने का फैसला किया। इसके चलते बांग्लादेश प्रीमियर लीग का शुरुआती मैच भी शुरु नहीं हो पाया।

अगस्त में बीडब्लयूएफ विश्व चैंपियनशिप में शामिल होंगे एंटोनसन, वायु प्रदूषण के कारण इंडिया ओपन सुपर से नाम वापस लिया

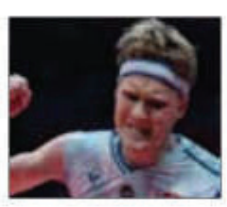

नई दिल्ली। डेनमार्क के स्टार खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसन ने कहा है कि वह अगस्त में होने वाली बीडब्लयूएफ बैडमिंटन (बीडब्लयूएफ) विश्व चैंपियनशिप में भाग ले सकते हैं। एंटोनसन के अनुसार वह दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शामिल नहीं हुए हैं। एंटोनसन ने गत सप्ताह ही इंडिया ओपन से नाम वापस लेने पर फैसला कर लिया पर तब कारणों का खुलासा नहीं किया था। वहीं अब विश्व के इस दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने सोशल मीडिया में अपने इस फैसले का कारण बताया है। इस खिलाड़ी को एंटोनसन ने कहा, 'उम्मीद है कि जब दिल्ली में विश्व चैंपियनशिप होगी तो हालात बेहतर होंगे। एंटोनसन ने इंडिया ओपन का ड्रॉ निकाले जाने से पहले ही प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया था पर पर फिर भी प्रतियोगिता से हटने के कारण बैडमिंटन की विश्व संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने उन पर पांच हजार अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया था। एंटोनसन पिछली बार 2023 में इंडिया ओपन में खेले थे जहां वह दूसरे दौर में हार गए थे।

नीरज चोपड़ा को मिली मंजूरी, ट्रेनिंग के लिए पोटचेफस्ट्रूम रवाना

नई दिल्ली(एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने अपने चुने हुए स्थल दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में सत्र पूर्व ट्रेनिंग शुरू कर दी है। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (रूश्ट) ने नए कोच जय चौधरी के साथ उनके 32 दिवसीय शिविर को मंजूरी दे दी है। नीरज ने पिछले हफ्ते चेक गणराज्य के दिग्गज जान जेलेजनी से कोच के तौर पर अलग होने का फैसला किया और चौधरी के साथ जुड़ने का फैसला किया जो उनके शुरुआती कोच थे और इस सुपरस्टार के गृहनगर पानीपत में भाला फेंक के खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देते हैं।

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि यह 28 वर्षीय खिलाड़ी पांच फरवरी तक पोटचेफस्ट्रूम में रहेगा जो दुनिया भर के भाला फेंक के खिलाड़ियों के लिए एक प्रमुख ट्रेनिंग स्थल है और उनके लिए कुल स्वीकृत सहायता राशि 11 लाख 80 हजार रुपए है। टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल एलीट खिलाड़ियों को वित्तीय और साजो-सामान से जुड़ी सहायता पर फैसला करने वाला एमओसी ने बुधवार को यहां बैठक की थी। ट्रेनिंग शिविर में नीरज की सहयोगी टीम में लंबे समय से उनके फिजियोथेरेपिस्ट इशान मारवाहा भी शामिल हैं।

सूत्र ने कहा, 'इस ट्रेनिंग शिविर का लक्ष्य इस साल होने वाली प्रमुख प्रतियोगिताओं जिसमें एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल शामिल हैं, से पहले उनकी शारीरिक अनुकूलनता, ताकत और तकनीकी निरंतरता को बेहतर बनाना है। स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार वित्तीय सहायता में उनके ट्रेनिंग शिविर का खर्च, जिम और ट्रेनिंग मैदान तक पहुंच, हवाई अड्डे से आना-जाना और जेब खर्च शामिल होगा।'

हरियाणा के इस खिलाड़ी को पिछले साल एडक्टर मांसपेशी में खिंचाव की समस्या थी लेकिन इसके बावजूद वह दोहा डाइमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने में कामयाब रहे थे। हालांकि उनके लिए एक बड़ी निराशा पिछले साल सितंबर में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहना था जिसके बाद उन्होंने अपनी फिटनेस समस्याओं को ठीक करने के लिए ब्रेक लेने का फैसला किया। वह तोक्यो में गत चैंपियन थे लेकिन पूरे मुकाबले के दौरान साफ तौर पर असहज दिखे। उम्मीद है कि नीरज मई में दोहा डाइमंड लीग में अपने 2026 सत्र की शुरुआत करेंगे। एमओसी की 167वीं बैठक में विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के प्रस्तावों के लिए कुल एक करोड़ 40 लाख रुपये मंजूर किए गए। सूत्र ने बताया, 'इसमें दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सचिन यादव के लिए विशेष भाला फेंक उपकरण का आग्रह भी शामिल है।' यादव पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहकर सुर्खियों में आए थे। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करते हुए नीरज से बेहतर प्रदर्शन किया था। एमओसी की अगली बैठक फरवरी के बीच में होने की उम्मीद है और सूत्रों के अनुसार उस बैक में कोर और डेवलपमेंट समूल के खिलाड़ियों की मौजूदा सूची की कड़ी समीक्षा की जाएगी।

सूत्र ने कहा, 'बुधवार को बैठक ऑनलाइन हुई थी और हालांकि इसी में समीक्षा की जानी थी लेकिन हमने फैसला किया कि खिलाड़ियों की समीक्षा आमने-सामने की बैठक में की जानी चाहिए। इसलिए फरवरी की बैठक महत्वपूर्ण होगी।' कोर समूह के खिलाड़ियों की संख्या अभी 118 है जिसमें 57 सामान्य और 61 पैरा खिलाड़ी शामिल हैं।

हक देखने के बाद आलिया भट्ट बनीं यामी गौतम की फैन

आलिया भट्ट ने हाल ही में फिल्म हक देखी। आलिया को हक बेहद पसंद भी आई। जिसे लेकर आलिया ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर यामी के बारे में कुछ खास लिखा है और साथ ही यह भी बताया है कि वह अब उनकी फैन बन गई हैं। नेटफ्लिक्स पर आने के बाद कई बॉलीवुड सितारों ने हक को देखा और अपनी राय दी। आलिया से पहले कियारा आडवाणी ने भी यामी की तारीफ की थी। उन्होंने लिखा था, अभी नेटफ्लिक्स पर हक देखी, यामी गौतम, क्या शानदार परफॉर्मेंस थी। आलिया भट्ट ने यामी गौतम के अभिनय की बहुत तारीफ की है। आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, क्वीन यामी गौतम, हक में आप कला, दिल और सोने की तरह चमक रही हैं। यह मेरे अब तक के सबसे अच्छे महिला किरदारों में से एक है... जैसा मैंने फोन पर भी कहा था... मैं यामी की बहुत बड़ी फैन हूं और आपके आने वाले सभी कामों का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

किसके बारे में है फिल्म हक?

फिल्म में यामी गौतम ने शाजिया बानो का किरदार निभाया है और इमरान हाशमी ने वकील की भूमिका की है। इसके अलावा वर्तिका सिंह, दानिश हुसैन, शीबा चड्ढा और परिधि शर्मा जैसे कलाकार भी हैं। निर्देशक सुपर्ण वर्मा हैं। फिल्म हक बॉक्स ऑफिस पर अच्छी चली। वहीं अब ओटीटी पर भी फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है। यह फिल्म 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह एक कोर्टरूम ड्रामा है, जो सुप्रीम कोर्ट के एक बड़े फैसले से प्रेरित है। दर्शकों और समीक्षकों को यह फिल्म बहुत पसंद आई।

विवेक ओबेरॉय के साथ सुर्खियों में आईं श्रेया शर्मा

अभिनेत्री श्रेया शर्मा, जिन्होंने हाल ही में मस्ती 4 में अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा, अब अपने करियर की एक बड़ी छलांग के लिए तैयार हैं। श्रेया जल्द ही फिल्म मिस्टर एंड मिसेज ग्रे में फीमेल लीड के रूप में नजर आएंगी, जहां वह पहली बार विवेक ओबेरॉय के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। इस घोषणा के साथ ही फिल्म को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है, जो श्रेया के अभिनय सफर में एक नए और रोमांचक अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और लगातार बदलते, चुनौतीपूर्ण किरदारों के चयन के लिए पहचानी जाने वाली श्रेया की मिस्टर एंड मिसेज ग्रे में कास्टिंग इस बात का संकेत है कि वह अब और अधिक गहराई व परफॉर्मेंस-ड्रिवन प्रोजेक्ट्स की ओर बढ़ रही हैं। यह फिल्म जटिल रिश्तों और भावनात्मक उतार-चढ़ाव की पड़ताल करने वाली बताई जा रही है, जिसमें श्रेया का किरदार अनुभवी अभिनेता विवेक ओबेरॉय के साथ एक अहम भूमिका निभाएगा। प्रोजेक्ट को लेकर बात करते हुए श्रेया शर्मा ने इस फिल्म की अपने लिए अहमियत पर एक भावुक और विस्तार से भरा नोट साझा किया।

मिस्टर एंड मिसेज ग्रे मेरे पास उस समय आई, जब मैं जानबूझकर ऐसा किरदार तलाश रही थी जो मुझे भावनात्मक और रचनात्मक रूप से चुनौती दे। विवेक ओबेरॉय के साथ काम करना एक अद्भुत सीखने का अनुभव है—वह हर सीन में गहराई और सच्चाई लेकर आते हैं। कहानी तीव्र, वास्तविक और बेहद परतदार है, और मेरा किरदार एक शक्तिशाली भावनात्मक सफर से गुजरता है। मैं निर्माताओं की आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर इतना मजबूत किरदार निभाने का भरोसा किया, और मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक इस फिल्म से गहराई से जुड़ेंगे। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का मानना है कि मिस्टर एंड मिसेज ग्रे श्रेया शर्मा के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है, जो उन्हें एक उभरती हुई प्रमुख अभिनेत्री के रूप में स्थापित करेगी। मस्ती 4 ने जहां उन्हें लोकप्रियता दिलाई, वहीं यह नई फिल्म उनके अभिनय को ठोस आधार देने वाली है। जैसे-जैसे मिस्टर एंड मिसेज ग्रे को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है, सभी की नजरें अब श्रेया शर्मा पर टिकी हैं—एक ऐसी अभिनेत्री जो साफ तौर पर अपने करियर के अगले स्तर में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

प्यार में धोखे मिलने के बाद रिश्तों को लेकर क्या सोचती हैं रश्मि देसाई?

टीवी सीरियल उतरन में तपस्या ठाकुर बनकर फेमस होने वाली रश्मि देसाई अपने नए चैट शो रश्मि दिल से दिल तक को लेकर छाई हुई हैं। अभिनेत्री का शो टीवी स्टार्स के निजी जीवन के बारे में दर्शकों को गहराई से बताएगा, लेकिन असल जिंदगी में खुद इतने सारे धोखे खाने के बाद प्यार और शादी के बारे में रश्मि की राय काफी अलग है। अभिनेत्री का कहना है कि अगर वो किसी के साथ इमोशनली इंवॉल्व होती हैं, तो अपना सब कुछ दे सकती हैं। एक्टर नंदीश संधू से टूटी शादी और कई लड़कों को डेट करने के बाद भी रश्मि देसाई आज भी सही पार्टनर की तलाश में हैं। अभिनेत्री ने खास बातचीत में प्यार, शादी और रिश्ते पर चर्चा की। कपल के बीच के इमोशंस पर बात करते हुए रश्मि देसाई ने कहा कि मैं बहुत प्रैक्टिकल इंसान हूं और मुझे क्रैक कर पाना बहुत मुश्किल है। अगर मैं किसी के साथ इमोशनल पार्ट पर जुड़ी तो उसे अपना दिल, जायदाद, घर और पैसा सब कुछ दे दूंगी क्योंकि मेरे लिए इंसान मैटर करता है, लेकिन अब इतने धोखे खाने के बाद मैंने किसी को अपनी तरफ आने की इजाजत नहीं दी है, लेकिन कहते हैं कि भगवान कोई न कोई रास्ता दिखा ही देता है। इस शो के दौरान मैंने समझा है कि रिश्ता दो लोगों के बीच का होता है, सबका नहीं होता है। रश्मि देसाई ने कहा कि उन्होंने ये भी सीखा कि काम और पर्सनल लाइफ को हमेशा अलग रखना चाहिए। अब मैंने अपने इमोशन को काम में शिफ्ट कर दिया है और मुझे काम करना बहुत पसंद है और ये मुझे हील करने का काम करता है और मेरा हैप्पी प्लेस है।

5 करोड़ की एलिमनी पर माही विज ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में टीवी के फेमस कपल में शुमार जय भानुशाली और माही विज ने अपने तलाक की घोषणा की। कपल ने एक ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी कर फैंस को सेपरेट होने की बात बताई थी। ज्वाइंट स्टेटमेंट के बाद भी दोनों के फैसले, तलाक की एलिमनी और बच्चों को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। अब माही विज ने इन सभी सवालों के जवाब दिए हैं। एक्ट्रेस ने अपने हालिया यूट्यूब व्लॉग में इन पर बात की है। माही ने अपने इस व्लॉग को 'प्लीज स्टॉप इट' कैप्शन दिया है। वो कहती हैं- 'हां, मैं जय से अलग हो गई हूं। हमारा तलाक हो गया है लेकिन हम अच्छे दोस्त रहेंगे। हम दोनों ऐसे बने हैं कि हमें पीसफुल लोग हैं। हमें ड्रामा, झगड़े या गंदगी पसंद नहीं है। हमने आपसी सहमति से यह फैसला किया और अलग-अलग रास्ता अपनाया। हमारे लिए यही सही था।'

नफरत भरे कमेंट्स पर रिएक्शन देते हुए माही ने कहा- मैं कमेंट सेक्शन में बहुत कुछ पढ़ रही हूं। लोग पूछ रहे हैं कि हमने बच्चे क्यों गोद लिए, हमारे बच्चे क्यों पैदा किया? हमारा बैंक अकाउंट खाली नहीं है। हम अपने बच्चों की देखभाल कर सकते हैं। और ऐसा भी नहीं है कि जय अपनी जिम्मेदारियों से भाग गया हो या मेरे पास कुछ भी न हो। हमारे तीनों बच्चे पहले की तरह ही अपनी जिंदगी जीते रहेंगे। ये बच्चों के लिए अच्छी बात है। वो देखेंगे कि अगर कोई चीज काम नहीं कर रही तो इसका ये मतलब नहीं है कि तोड़ने के समय गंदगी फैलाएं। या कोर्ट-कचहरी में एक-दूसरे को घसीटो। मुझे लगता है कि मेरे बच्चे मुझे पर और जय पर प्राउड फील करेंगे। वहीं, तलाक की घोषणा के बाद दावा किया जा रहा था कि माही ने 5 करोड़ की तलाक एलिमनी मांगी है। इस दावे पर बात करते हुए माही ने कहा- 'मैं इंस्टाग्राम पर देख रही थी कि लोग लाइक और कमेंट के लिए कह रहे हैं कि माही ने 5 करोड़ की एलिमनी ले ली। ये बहुत दुखद है। आधी जानकारी में कुछ भी मत करिए। हमारे पुराने वीडियो निकालकर, कयास लगाए जा रहे हैं। हमने तो कुछ किया नहीं, आप लोगों ने पूरी गंदगी फैला दी। इसकी जरूरत नहीं। माही ने अपने व्लॉग में उनलोगों को भी लताड़ लगाई है, जो उनके फैसले के ड्रामा बता रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा- 'कोई ड्रामा नहीं है। किसी को तलाक लेना अच्छा नहीं लगता है। ऊपर वाला ना करें कि तुमलोगों के घर में ऐसा हो। जिस पर बीतती है, उसे पता है। हमारी इंडस्ट्री में तलाक लेना कोई मजाक नहीं बना है। बाहर भी तलाक हो रहा है। हर जगह तलाक हो रहा है। हमने ने इज्जत के साथ रिश्ते से निकलने का फैसला किया है, छोटे शहरों की लड़कियां बॉयफ्रेंड के लिए मर्डर कर दे रही हैं। आपलोग क्या बात कर रहे हैं?'

आने वाली फिल्म के जरिए संवेदनशील मुद्दों को सामने ला रही हैं श्वेता त्रिपाठी

समाज को आईने की तरह दिखाने वाली फिल्मों की एक अलग ही अहमियत होती है। ऐसी फिल्मों में केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि समाज के उन मुद्दों को सामने लाने की हिम्मत होती है, जिन पर आम तौर पर लोग चुप रहते हैं। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपनी आने वाली फिल्म पलकों पे के जरिए इन संवेदनशील मुद्दों को सामने ला रही हैं। श्वेता त्रिपाठी ने शूटिंग के अनुभव को साझा किया और उसे चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, शूटिंग लगातार कई दिनों तक चली। यह लंबा शेड्यूल था। इस थकान भरे सफर ने पूरी टीम को और करीब ला दिया। कलाकारों और तकनीकी टीम के बीच जो समझ और भरोसा बना, वह फिल्म में दिखाई देगा। शूटिंग के दौरान एक-दूसरे की मदद करना सभी के लिए एक नई ऊर्जा बन गया। पलकों पे को लेकर श्वेता ने कहा, मुझे फिल्म की कहानी ने सबसे ज्यादा आकर्षित किया। फिल्म उन सवालों का सामना करती है जिनसे समाज अक्सर आंखें मूंद लेता है। तलाक, लैंगिक समानता, यौन पहचान और मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दे इस फिल्म में सीधे और ईमानदारी से उठाए गए हैं। ये वे विषय हैं जिन पर लोग आमतौर पर बात करना पसंद नहीं करते। इस फिल्म में बिना झिझक इन मुद्दों को प्रभावशाली तरीके से पेश किया गया है।

उन्होंने कहा, फिल्म के निर्देशक निधिश पुझक्कल ने इसे और भी खास बनाया है। उनका अंदाज अलग है। वह हर सीन, हर खामोशी और हर भावना को एक मनोवैज्ञानिक नजरिए से देखते हैं। ऐसे निर्देशन में काम करना एक अभिनेता का सपना होता है। इससे कलाकार अपने किरदार की गहराई में उतर सकता है और हर सीन में पूरी सच्चाई ला सकता है। उनका यह दृष्टिकोण फिल्म को केवल कहानी नहीं, बल्कि अनुभव बनाता है। श्वेता के अलावा फिल्म में अभिषेक चौहान और ईशान नकवी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

श्वेता ने सह कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, अभिषेक और ईशान दोनों ही बेहद ईमानदार और समर्पित कलाकार हैं। इस समर्पण ने मुश्किल और लंबे दिनों को भी सार्थक बना दिया। सभी ने पूरी मेहनत और दिल से काम किया, जिससे फिल्म का हर सीन प्राकृतिक और प्रामाणिक नजर आता है।

शादी मेरे लिए तीन दिन की पार्टी थी और वो हो गई

इस साल शादी के रिश्ते में बंधी यूट्यूबर टर्न ऐक्ट्रेस प्राजक्ता कोली अपनी फिल्म जुग जुग जियो से लेकर वेब सीरीज मिसमैच्ड और अब सिंगल पापा तक में वुड बी ब्राइड यानी होने वाली दुल्हन के किरदार में दिखीं। ऐसे में, स्क्रीन वाली शादी से लेकर असल जिंदगी में शादी के रिश्ते को लेकर प्राजक्ता से हमने की ये बातचीत

वेब सीरीज मिसमैच्ड की डिंपल के रूप में ऐक्टिंग करियर शुरू करने वाली यूट्यूबर टर्न ऐक्ट्रेस प्राजक्ता कोली फिल्म जुग जुग जियो से लेकर हालिया सीरीज सिंगल पापा तक में शादी की तैयारी में जुटी दुल्हन के किरदार में दिखाई दीं। वहीं, इस साल वह असल जिंदगी में भी लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड वृशांक खलान की दुल्हनिया बन गईं। ऐसे में, स्क्रीन पर बार-बार लहंगा पहनने के अनुभव पर प्राजक्ता ने बताया कि वैसे तो उन्हें लहंगे में रेडी होने में बड़ा मजा आता है, लेकिन एक शो की शादी वाले लहंगे से उन्हें इतनी नफरत हो गई थी कि वह उसे जला देना चाहती थीं।

उस लहंगे से नफरत हो गई थी

बकौल प्राजक्ता, मुझे लहंगे से दिक्कत नहीं है। लहंगा पहनकर मजा ही आता है, मगर सिंगल पापा वेब सीरीज हमने जहां शूट की, वहां थोड़ी दिक्कत हुई। यह सीरीज हमने रणथंभौर में मई की गर्मी में 48 डिग्री तापमान में शूट किया। हालांकि, इसमें भी मेरा लहंगा बहुत सुंदर है पर आखिर तक मुझे उससे इतनी नफरत हो गई थी कि मैंने हमारे कॉस्ट्यूम डिजाइनर को बोला था कि क्या पैकअप के बाद मैं इसे जला सकती हूं। मुझे इसे इतनी नफरत है कि मुझे इसे जलाकर इसके इर्द गिर्द नाचना है, वरना बाकी सब मजेदार था।

शादी बहुत खूबसूरत अहसास

वहीं, असल जिंदगी में शादी के बाद क्या खास और अलग महसूस कर रही हैं? इस बारे में वह बताती हैं, शादी मेरे लिए तीन दिन की पार्टी थी और वो हो गई। मैं मेरे पार्टनर वृशांक के साथ पिछले 14 साल से हूं तो पहले 13 साल हमने जिस चीज को बिल्ड किया था, अब उसे इंजॉय कर पा रहे हैं क्योंकि इतने सालों में पहली बार हम साथ रहे रहे हैं। मेरे लिए तो शादी के बाद के ये पिछले नौ-दस महीने बहुत खूबसूरत रहे हैं। मेरे लिए शादी एक खूबसूरत अहसास है क्योंकि मुझे ऐसा शख्स मिला जिसके साथ मैं बहुत खुश हूं। हमने साथ में समय लिया, फिर इस साल की शुरुआत में हमने शादी की।

पैरंट्स के साथ न रहना खलता है

वहीं, शादी के बाद के बदलावों पर प्राजक्ता आगे कहती हैं, शादी के बाद अगर किसी बदलाव से मैं जूझ रही हूं तो वो यह है कि मैं अपने मम्मा-पापा के साथ नहीं रहती। मेरे लिए वह सबसे मुश्किल बात थी। बाकी के बदलावों को तो वृशांक ने मेरे लिए बहुत आसान बना दिया लेकिन अपने पैरंट्स से अलग रहना मेरे लिए बहुत मुश्किल रहा है। वहीं, शादी को पुरानी संस्था करार देने के सवाल पर उनका कहना है, यह हर इंसान के निजी अनुभव और सोच पर निर्भर करता है। मुझे नहीं लगता कि कोई यंग लड़का या लड़की यह सोचता/सोचती होगी कि मुझे इसलिए शादी नहीं करनी क्योंकि यह एक पुरानी संस्था हो चुकी है। यह बेशक हो सकता है कि उसने अपने घर पर ऐसा कुछ देखा हो, जिससे वह इस रिश्ते में न पड़ना चाहे या उसे ऐसा कोई मिला नहीं, मगर मुझे लगता है कि इस सोच को जनरलाइज करना सही नहीं है।

मराठी फिल्म करने का सपना हुआ पूरा

नए साल में प्राजक्ता की एक पुराना सपना भी सच होने जा रहा है, जिसे लेकर वह खासी उत्साहित हैं। वह बताती हैं, 12 साल पहले जब मैं कॉलेज में थी, तब मराठी थिएटर करती थी। मैंने महाराष्ट्र और पूरे देश में करीब 150 शोज किए थे। इजरायल में भी हमने शो परफॉर्म किया था, लेकिन रेडियो में काम शुरू करने के बाद मैंने वह बंद कर दिया था। हालांकि, मेरा तब से मन था कि मैं कभी मराठी फिल्म करूं क्योंकि वो मेरी मातृभाषा भी है। इस साल के पहले दिन ही मेरी पहली मराठी फिल्म रिलीज हो रही है, जिसके लिए मैं बहुत एक्साइटेड हूं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा, एयर इंडिया के ए350 विमान के इंजन से टकराया कंटेनर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) पर गुरुवार को बड़ा हादसा टल गया। एयर इंडिया का विमान एयरबस ए350 विमान के इंजन से बड़ा लोहे का कंटेनर टकरा गया। बताया जा रहा है कि कंटेनर टकरा कर अंदर घुस गया। कंटेनर के अंदर घुसने की वजह से विमान का इंजन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इंजन को ठीक करने का काम हो रहा है। अच्छी बात ये है कि इंजन के अलावा किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस बीच, दिल्ली से सिंगापुर जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2380 को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी के संदेह के कारण वापस दिल्ली लौटना पड़ा। चालक दल (क्रू) ने सावधानी बरताकर विमान को वापस मोड़ने का फैसला किया, जिसके बाद विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली हवाई अड्डे पर उतर गया। एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, दिल्ली में मौजूद ग्राउंड टीम ने यात्रियों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई। बाद में सभी यात्रियों को दूसरे वैकल्पिक विमान से सिंगापुर के लिए रवाना किया गया।

अपनी ही बेटी से कुकर्म करने वाले वायुसेना कर्मचारी को 20 साल की सजा

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून की जिला अदालत ने एक एयरफोर्स कर्मी को अपनी बेटी के साथ लगातार यौन शोषण के मामले में 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने इसे विकृत कामुकता का गंभीर मामला बताते हुए कहा कि ऐसे कृत्य बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए अत्यंत हानिकारक हैं तथा समाज के लिए कलंक हैं। मामला तब सामने आया जब पीड़िता ने 17 वर्ष की उम्र में अपनी मां को सब कुछ बता दिया। पीड़िता ने अदालत में गवाही दी कि आरोपी ने उसे मात्र 5 वर्ष की उम्र से शिकार बनाना शुरू किया था और यह सिलसिला 17 वर्ष की उम्र तक जारी रहा। आरोपी ने मथुरा, गुजरात और देहरादून में विभिन्न पोस्टिंग के दौरान कई बार दुष्कर्म किया। जब वह ड्यूटी पर बाहर होता, तो वीडियो कॉल करके पीड़िता को कपड़े उतारने के लिए मजबूर करता और न मानने पर पीटने की धमकी देता। 17 नवंबर 2023 को रायपुर थाने में मां की शिकायत पर मामला दर्ज हुआ। विशेष लोक अभियोजक अल्पना थापा ने बताया कि जांच में पीड़िता के बयान, अन्य साक्ष्य और गवाही के आधार पर आरोपी को दोषी पाया गया। विशेष न्यायाधीश अर्चना सागर की अदालत ने बुधवार को सजा सुनाई। अदालत ने राज्य सरकार को पीड़िता को तीन लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। अदालत की तीखी टिप्पणी में कहा गया कि यह विकृत कामुकता का मामला है। बचाव पक्ष ने दलील दी कि मेडिकल रिपोर्ट में चोट के निशान नहीं थे और हाइमन इन्टैक्ट था, इसलिए दुष्कर्म साबित नहीं होता। अदालत ने इस दलील को पूरी तरह खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता की गवाही विश्वसनीय है। कोई भी बेटी अपने सगे पिता पर ऐसे गंभीर झूठे आरोप नहीं लगाएगी। जैसे-जैसे वह बड़ी हुई, उसे अपने साथ हो रहे गलत काम की समझ आई।

लुधियाना कोर्ट को मानव बम से उड़ाने की धमकी, अजमल नाम से आया ईमेल

लुधियाना (एजेंसी)। राजस्थान के लुधियाना में एक सिरफिरे ने ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स को दहलाने की धमकी दी थी यह ई-मेल अजमल अब्दुल राज के नाम से आई थी, जिसने मानव बम के जरिए धमाका करने की बात कही गई थी। पुलिस का कहना हैं कि ये नाम फर्जी है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह ई-मेल भेजने वाले व्यक्ति ने अपनी पहचान अजमल अब्दुल राज के रूप में बताई है। ई-मेल में स्पष्ट रूप से लिखा है कि ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स लुधियाना में मानव बम का इस्तेमाल कर बड़ा धमाका किया जाएगा। इस गंभीर मामले को देखते हुए सेशन जज साहब के कार्यालय की ओर से आदेश जारी किया गया है। कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए रिपोर्ट दर्ज करने और जांच के आदेश दिए हैं, जिसके बाद पुलिस ने ई-मेल के तकनीकी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है ताकि आरोपी की लोकेशन का पता लगाया जा सके। साइबर सेल की टीमें इस ई-मेल के स्रोत को खंगालने में जुट गई हैं। कोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आने-जाने वाले संदिग्धों पर पैनी नजर रखी जा रही है।

जुबीन गर्ग की मौत पर कांग्रेस नेता गोगोई का बयान, किस पर करें भरोसा, सरमा पर या फिर सिंगापुर पुलिस पर?

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद गौरव गोगोई ने हिमंता बिस्वा सरमा सरकार पर सवाल उठाकर कहा कि गायक जुबीन गर्ग की मौत को लेकर विरोधाभासी दावे सामने आ रहे हैं। कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि जहां असम के मुख्यमंत्री ने इस हत्या बताया है, वहीं सिंगापुर के अधिकारियों ने जांच के बाद कहा है कि मौत स्वाभाविक थी और इसमें किसी तरह की साजिश नहीं थी। उन्होंने सवाल उठाया कि किस बात पर भरोसा किया जाए। कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि हमें किस पर भरोसा करना चाहिए? सीएम सरमा ने कहा कि जुबीन गर्ग की हत्या हुई थी और उनकी एसआईटी टीम के जरिए पांच लोगों को गिरफ्तार किया। चार्जशीट में पांच से छह लोगों के खिलाफ साजिश के आरोप लगाए गए हैं, जिसमें कहा गया है कि उन्होंने जुबीन की हत्या की साजिश रची और अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि सिंगापुर सरकार ने विस्तृत जांच के बाद निष्कर्ष निकाला है कि मौत स्वाभाविक थी और इसमें किसी तरह की साजिश नहीं थी। उन्होंने कहा कि सिंगापुर सरकार का कहना है कि यह एक सामान्य मौत थी और इसमें कोई साजिश नहीं थी। गहन जांच के बाद उनका यही निष्कर्ष है। अब हमें किस पर भरोसा करना चाहिए, सिंगापुर पक्ष पर या मुख्यमंत्री शर्मा पर, जिन्होंने खुद विधानसभा में कहा था कि जुबीन गर्ग की हत्या की गई थी? इस सप्ताह की शुरुआत में, असम सरकार ने जुबीन गर्ग हत्याकांड में विशेष लोक अभियोजकों की एक टीम की नियुक्ति को मंजूरी दी।

जाखल व सदर टोहाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई : नशा रोकथाम के तहत सघन तलाशी अभियान

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत गांवों में अभियान चलाया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत आज थाना जाखल के गांव चूहरपुर तथा थाना सदर टोहाना के गांव खनौरा में डॉग स्क्वॉड टीम, कमांडो टीम और स्थानीय पुलिस ने सघन तलाशी अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में नशा तस्करी और अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखना था। थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश ने बताया कि अभियान के दौरान पुलिस टीम ने घरों, दुकानों और संदिग्ध स्थानों पर तलाशी ली। डॉग स्क्वॉड टीम की मदद से पुलिस ने संभावित ठिकानों का निरीक्षण किया और संदिग्ध गतिविधियों पर नियंत्रण रखा। स्थानीय लोगों को भी अभियान में शामिल कर पुलिस ने समुदाय के सहयोग से संदिग्धों की पहचान और निगरानी सुनिश्चित की। थाना सदर टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम ने बताया कि अभियान में सभी कार्रवाईयों को पारदर्शिता और शांति के साथ संपन्न किया गया। पुलिस ने ग्रामीणों को जागरूक किया कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस ने कहा कि यह अभियान नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा, ताकि क्षेत्र में नशा तस्करी और अपराधों पर कड़ा अंकुश लगाया जा सके। स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी और पुलिस का सतत प्रयास मिलकर इस अभियान की सफलता सुनिश्चित करेगा।

आरक्षण, जनगणना व ईवीएम की बजाय निष्पक्ष चुनाव की मांग को लेकर दिया धरना

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नारनौल।

डॉ भीमराव अंबेडकर स्टैचू के प्रांगण में भारत मुक्ति मोर्चा के तत्वावधान में आरक्षण, जनगणना और ईवीएम की बजाय निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन राष्ट्रीय परिवर्तन मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश प्रधान की अध्यक्षता में किया गया। जगदीश प्रधान ने बताया कि भारत में बीजेपी और आरएसएस के द्वारा संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही है, संविधान के मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है । आर्टिकल 19 जो हमें संगठन बनाने व बोलने की अभिव्यक्ति देता है, उसका हनन किया जा रहा है और उड़ीसा सरकार ने कटक के बामसेफ के अधिवेशन को रोकने का काम किया क्योंकि ऐसा एक ब्राह्मण की शिकायत पर किया गया । प्रदेश संयोजक ने यह भी कहा कि अधिवेशन या रैली कोई भी हो, सरकार उसे रोकने का भ्रसक प्रयास करती है, जबकि बामसेफ ने 45 साल के दौरान सामाजिक व्यवस्था में सुधार के लिए एससी, बीसी, ओबीसी को जगाने का काम किया है और ऐतिहासिक दृष्टि और साइंस डीएनए के हिसाब से ब्राह्मणों को विदेशी घोषित करने का कार्य किया है क्योंकि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, परंतु भारत में आजादी के बाद ब्राह्मण तंत्र स्थापित हुआ और उसमें सभी पार्टियां दोषी हैं । आज भी आरक्षण होते हुए भी संख्या के अनुपात में भागीदारी देश में नहीं है । दूसरा मुद्दा जाति जनगणना कराने का है जिसमें संख्या के आधार पर सभी को भागीदारी देने और तीसरा भारत में ईवीएम हटाकर निष्पक्ष चुनाव कराने का है जिसके संबंध में सुप्रीम कोर्ट द्वारा भी 8 अक्टूबर 2013 को फैसला दिया गया है कि ईवीएम से निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराए जाएं और आधुनिक युग की इस मनुस्मृति के विरोध में धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। धरना प्रदर्शन में भारत मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमर सिंह, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र यादव, राष्ट्रीय बेरोजगार मोर्चा के अरुण सिंह भैया, समिति महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था के वाइस चेयरमैन बिरदी चंद गोठवाल, सर्व अजा संघर्ष समिति के प्रधान चंदन सिंह जालवान , जगराम कालिया, ओमप्रकाश, लालाराम, राज ऋषि, सवाई सिंह राष्ट्रीय क्षत्रिय धर्म संघ, जिले सिंह, लाजपत एडवोकेट सुभाष कॉमरेड एडवोकेट दुलीचंद, प्रधान जयपाल सिंह व अनिल सैनी आदि अनेक लोग उपस्थित रहे।

ईरान में फंसे भारतीय छात्रों को लेकर चिंतित ओवैसी और उमर... जयशंकर से की अपील

हैदराबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम नेता और सांसद असदुद्दीन ओवैसी और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से ईरान में जारी अशांति के बीच फंसे भारतीय छात्रों की तत्काल मदद करने की अपील की है। ओवैसी ने कहा कि इन छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। ओवैसी ने कहा कि विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर का ईरान के विदेश मंत्री से बात करना एक अच्छा कदम है। हालांकि, उन्होंने कहा कि केवल बातचीत पर्याप्त नहीं है और छात्रों को सुरक्षित वापस लाने के लिए जमीनी स्तर पर काम होना चाहिए है। उन्होंने बताया कि कई चिंतित अभिभावकों ने मुझसे संपर्क किया है। ओवैसी के अनुसार, ईरान के शाहिद बेहेश्टी विश्वविद्यालय में करीब 70 से 80 भारतीय छात्र पढ़ते हैं, जिसमें हैदराबाद के पांच से आठ छात्र शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि समस्या यह है कि ईरान में इंटरनेट ठप है। दूसरी बात, अभिभावक टिकट खरीदकर अपने बच्चों को भेज भी नहीं सकते। तीसरी बात, कई छात्र गरीब परिवारों से हैं और उनके पास टिकट खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि विश्वविद्यालय छात्रों के पासपोर्ट वापस नहीं कर रहा है, जिसके कारण वे ईरान छोड़कर भारत वापस नहीं आ पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई है।

वहीं जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने विदेश मंत्री डॉ.जयशंकर से ईरान में तेजी से बदलती स्थिति के बारे में बात की है, जहां भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं हैं। अब्दुल्ला ने बताया कि मंत्री ने उन्हें मौजूदा स्थिति से अवगत कराया और मंत्रालय द्वारा घटनाक्रम से निपटने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी दी।

मकर संक्रांति स्नान-एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई

प्रयागराज (एजेंसी)। संगम नगरी प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में बृहस्पतिवार को मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर पतित पावनी मां गंगा और त्रिवेणी के संगम स्थल पर एक करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगायी। देर शाम तक स्नान करने वालों का तांता लगा रहा है। दोपहर दो बजे तक ही 72 लाख लोगों ने गंगा और संगम में डुबकी लगा चुके थे। हालांकि बीती रात 12 बजे से ही स्नान प्रारंभ हो गया था।

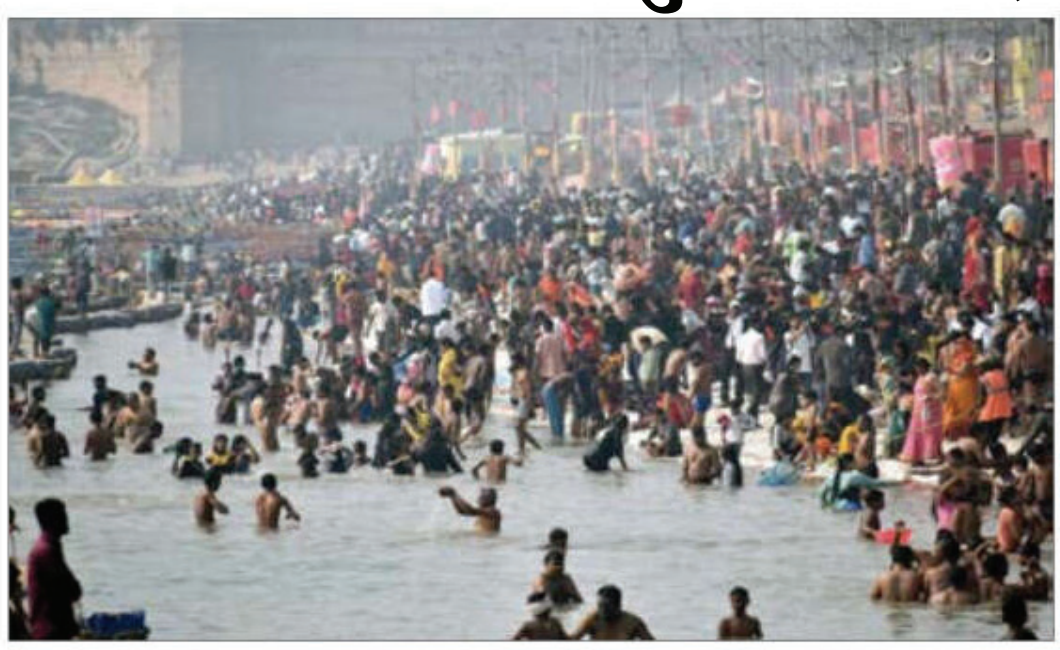

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक आस्था और जगत पिता भगवान सूर्य की उपासना के पावन पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पवित्र संगम में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करने वाले सभी श्रद्धालु भगवान भास्कर की कृपा से अभिभूत हों और माँ गंगा, यमुना व सरस्वती का आशीर्वाद सभी पर सदैव बना रहे। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि मकर संक्रांति लोक आस्था, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक परंपराओं का महापर्व है, जो सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक उन्नयन का संदेश देता है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृषि-संस्कृति, प्रकृति संरक्षण और अन्नदाता किसानों के पुरुषार्थ को समर्पित पावन पोंगल पर्व की भी सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि समृद्धि और सद्भाव का संदेश देने वाला यह पर्व सभी के जीवन को सुख, शांति, आनंद और आरोग्यता से परिपूर्ण करे, यही उनकी प्रार्थना है। मुख्यमंत्री ने कामना की कि ये पर्व प्रदेश और देश में खुशहाली, समृद्धि और सामाजिक सौहार्द को और सुदृढ़ करें।

मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि माघ मेला 800 हेक्टेयर क्षेत्र में सात सेक्टरों में बसाया गया है। मेला क्षेत्र में 25,000 से अधिक शौचालय स्थापित किए गए हैं और 3500 से अधिक सफाईकर्मी तैनात हैं। अग्रवाल ने बताया कि छोटी अवधि का कल्पवास करने के इच्छुक पर्यटकों के लिए माघ मेला में टेंट सिटी बसाई गई है जहां ध्यान और योग आदि की सुविधाएं मौजूद हैं। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए बाइक टैक्सी और गोल्फ कार्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पुलिस अधीक्षक (माघ मेला) नीरज पांडेय ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 10,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं। भीड़ प्रबंधन एवं सुगम यातायात के दृष्टिगत इस बार 42 अस्थायी पार्किंग हैं जिनमें लगभग एक लाख से अधिक वाहन पार्क हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि माघ मेला 2025-26 में कुल 12,100 फुट लंबे घाटों का निर्माण किया गया है जिनमें सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

एयर इंडिया और इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी, ईरान का हवाई क्षेत्र बंद, रद्द हो सकती हैं उड़ानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के हवाई क्षेत्र के अचानक बंद होने से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर असर पड़ रहा है। एयर इंडिया और इंडिगो सहित कई भारतीय एयरलाइंस ने यात्रियों को ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है, जिसमें संभावित देरी, रूट परिवर्तन और कुछ उड़ानों के रद्द होने की चेतावनी दी गई है। यह स्थिति पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान में जारी सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के बीच सामने आई है।

एयर इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में बताया कि ईरान में उभरती स्थिति और उसके हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र से गुजरने वाली उड़ानों को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जा रहा है। इससे उड़ानों में देरी हो सकती है। एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि जहां रूट परिवर्तन संभव नहीं है, वहां उड़ानें रद्द की जा रही हैं। यात्रियों से अपील की गई है कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जरूर जांच लें। एयर इंडिया ने कहा, इस अप्रत्याशित व्यवधान से हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। यात्रियों और क्रू की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इंडिगो ने भी इसी तरह की एडवाइजरी जारी की। एयरलाइन ने कहा कि ईरान द्वारा अचानक हवाई क्षेत्र बंद करने से कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई हैं। यह स्थिति उसके नियंत्रण से बाहर है और यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया गया है। प्रभावित यात्रियों को इंडिगो की वेबसाइट पर जाकर फ्लेक्सिबल रीबुकिंग या रिफंड के विकल्पों की जानकारी लेने की सलाह दी गई है। एयरलाइन ने कहा कि टीम स्थिति का आकलन कर रही है और प्रभावित यात्रियों को बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र को अधिकांश उड़ानों के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। यह बंदिश शाम को शुरू हुई और कुछ घंटों तक चली, हालांकि इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। केवल आधिकारिक अनुमति वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को छूट दी गई है। यह कदम ईरान में जारी व्यापक विरोध प्रदर्शनों, इंटरनेट ब्लैकआउट और अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया है। क्षेत्रीय सुरक्षा जोखिमों के कारण कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ईरानी हवाई क्षेत्र से बच रही हैं।

अमेरिका ने भी मध्य पूर्व में अपने कुछ सैन्य अड्डों से कर्मियों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। कतर के अल उदैद एयर बेस से कुछ कर्मियों को वापस बुलाया जा रहा है। ईरानी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका हमला करता है तो पड़ोसी देशों में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है। दोनों एयरलाइंस ने यात्रियों से सलाह दी है कि वे यात्रा से पहले उड़ान की ताजा जानकारी जांचें और एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट या सोशल मीडिया पर अपडेट देखते रहें। मौजूदा हालात को देखते हुए आने वाले दिनों में भी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर असर जारी रह सकता है। यात्रियों को सतर्क रहने और वैकल्पिक योजनाएं बनाने की सलाह दी जा रही है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर शिकंजा, दिल्ली और पंजाब में मुठभेड़ों के बाद कई शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पश्चिमी दिल्ली में हुई मुठभेड़ के बाद पुलिस ने गिरोह से जुड़े दो शार्पशूटरों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरा आरोपी नाबालिग बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए दोनों शूटर हाल ही में पश्चिम विहार और विनोद नगर इलाकों में हुई फायरिंग की घटनाओं में शामिल थे। दोनों से पूछताछ के बाद गैंग की गतिविधियों और स्थानीय नेटवर्क को लेकर अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर इलाके में घेराबंदी की गई थी। खुद को घिरता देख आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया

गया है, जबकि नाबालिग आरोपी को किशोर न्याय प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेजा गया है। इसी क्रम में पंजाब में भी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। संयुक्त अभियान के दौरान गिरोह के चार गुर्गों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। ये आरोपी विदेश में बैठे गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के निर्देश पर चंडीगढ़ ट्राइसिटी और पटियाला क्षेत्र में टारगेट किलिंग की साजिश रच रहे थे। पुलिस का कहना है कि इनका मकसद इलाके में दहशत फैलाना और संगठित अपराध को बढ़ावा देना था।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। इनमें सात .32 बोर की पिस्तौल और 70 जिंदा कारतूस शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरविंदर सिंह उर्फ भोला, लखविंदर सिंह, मोहम्मद समीर और रोहित शर्मा के रूप में हुई है, जो सभी अलग-अलग आपराधिक मामलों में पहले से वांछित बताए जा रहे हैं। छापेमारी के दौरान अपराधियों ने पुलिस टीम पर गोलीबारी की, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से दो पुलिसकर्मियों की जान बच गई। जवाबी फायरिंग में दो आरोपी घायल हो गए, जिसके बाद चारों को काबू कर लिया गया। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और पूछताछ जारी है। अधिकारियों का कहना है कि इन गिरफ्तारियों से बिश्नोई गैंग के नेटवर्क और आने वाली आपराधिक साजिशों पर बड़ा असर पड़ेगा।

कई राज्यों में रेत माफिया का दबदबा, पुलिस-वन विभाग अवैध खनन रोकने में नाकाम

-एक सप्ताह में दो लोगों की जा चुकी है जान, जिनमें एक वनकर्मी भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में अवैध रेत का खनन विकराल रूप ले चुका है। राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में रेत माफिया का दबदबा इतना है कि वहां के आम नागरिक ही नहीं, बल्कि पुलिस और वन विभाग के अफसर भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जांच में सामने आया है कि दोनों राज्यों में अवैध खनन और परिवहन खुलेआम और बेखौफ तरीके से किया जा रहा है। हालात इतने गंभीर हैं कि बीते एक सप्ताह में दो लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें एक वनकर्मी भी ड्यूटी के दौरान मारा गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान के धौलपुर जिले में चंबल नदी क्षेत्र से सामने आई घटना ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अवैध रेत खनन रोकने गई वन विभाग की टीम पर माफिया ने जानलेवा हमला कर दिया। वन रक्षक जितेंद्र सिंह शेखावत को रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल जितेंद्र को जयपुर रेफर किया, जहां इलाज के दौरान उनका पैर काटना पड़ा, लेकिन अंततः उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद प्रशासन ने कुछ अवैध रास्ते बंद किए और एक आरोपी की गिरफ्तारी की, लेकिन स्थानीय लोगों का मानना है कि यह कार्रवाई सिर्फ दिखावटी है और माफिया का नेटवर्क जस का तस है।

धौलपुर की घटना के बाद अजमेर प्रशासन अलर्ट मोड में दिखा। अवैध खनन के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए और संयुक्त टीमें गठित की गई हैं। कई इलाकों में नाकेबंदी कर ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की गईं और जुर्माना भी लगाया गया है। हालांकि, जमीनी हकीकत यह है कि थोड़े समय की सख्ती के बाद हालात फिर पहले जैसे हो जाते हैं और माफिया सक्रिय हो जाता है।

अलवर जिले में अरावली की पहाड़ियां अवैध खनन की भेंट चढ़ रही हैं। राजगढ़ क्षेत्र के मूनपुर गांव में मंदिर के पास खुलेआम पत्थर खनन किया जा रहा है। भारी वाहन सड़कों से गुजरते हैं, लेकिन न पुलिस रोकती है और न ही वन विभाग। एक मामले में माफिया के वाहनों ने एक घर की नींव तक तोड़ दी, जिससे पशुओं की मौत हो गई। लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होती और पर्यावरण को अपूरणीय नुकसान पहुंच रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन बस्तियों के बेहद पास हो रहा है, ब्लास्टिंग से घरों में दरारें आ गई हैं और प्रशासन आंख मूंद कर बैठा है।

मध्य प्रदेश में भी हालात अलग नहीं हैं। श्योपुर जिले में अवैध रेत से भरे डंपर को जब्त करने गई वन विभाग की टीम पर

पथराव किया गया। तेज रफ्तार ट्रैक्टर से कुचलकर एक युवक की मौत हो गई और उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोपी अब भी फरार है। इन घटनाओं ने साफ कर दिया है कि अवैध रेत खनन सिर्फ पर्यावरण का संकट नहीं, बल्कि कानून व्यवस्था और मानव जीवन के लिए भी खतरा बन चुका है। सवाल यह है कि क्या प्रशासन की कार्रवाई वास्तव में माफिया पर नकेल कसेगी या यह माफिया यूं ही बेलगाम घूमते रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com